मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शनिवार, 31 जनवरी 2026

संवत 2082, माघ शुक्लपक्ष 13 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 140, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ भूल से भी ना करें कोई भूल, सारा समाज हमारा अपना है

सोशल मीडिया ने बदली मिथिला पालकर की जिंदगी ◀◀ 6

बाबा चावल मिल ग्रुप में इनटैक्स रेड

2 दिन की छापेमारी में 3 करोड़ से ज्यादा कैश ज्वेलरी बरामद, 45 ठिकानों पर कार्रवाई

संवाददाता

रांचीः झारखंड और बिहार में आयकर विभाग की अनुसंधान शाखा (रांची) की बड़ी कार्रवाई दूसरे दिन भी जारी रही। यह छापेमारी बाबा ग्रुप से जुड़े व्यापारिक और आवासीय ठिकानों पर की जा रही है। आयकर विभाग की प्रारंभिक जांच में तीन करोड़ रुपये से अधिक नकद और महंगे जेवरात बरामद होने की पुष्टि हुई है। अधिकारियों को आशंका है कि यह रकम अघोषित आय से जुड़ी हो सकती है।

बाबा एग्रो फूड के एमडी से जुड़े परिसरों से नकद बरामदः आयकर अधिकारियों की प्राथमिक रिपोर्ट के अनुसार, बाबा एग्रो फूड के एमडी योगेश साहू से जुड़े परिसरों से करीब तीन करोड़ रुपये नकद बरामद किए गए हैं। बरामद नकदी को लेकर आयकर विभाग को इसके वैध स्त्रोत पर संदेह है। फिलहाल अधिकारियों द्वारा संबंधित लोगों से पूछताछ की जा रही है और नकदी के लेन-देन से जुड़े दस्तावेजों की जांच की जा रही है।

कई ठिकानों से महंगे जेवरात जब्त : छापेमारी के दौरान बाबा ग्रुप से जुड़े लोगों के कई ठिकानों से महंगे सोने-चांदी के जेवरात भी जब्त किए गए हैं। इन जेवरातों का मूल्यांकन विशेषज्ञों से कराया जा रहा है। आयकर विभाग का कहना है कि जेवरात की कीमत और खरीद के स्त्रोत की पुष्टि होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जांच एजेंसी यह भी देख रही है कि जेवरात आयकर रिटर्न में घोषित हैं या नहीं।

अचल संपत्ति और बैंक लेन-देन की भी जांचः आयकर विभाग की टीम केवल नकदी और जेवरात तक सीमित नहीं है। अधिकारियों द्वारा बाबा ग्रुप की अचल संपत्तियों, बैंक खातों, लेन-देन और व्यापारिक दस्तावेजों का भी गहन मूल्यांकन किया जा रहा है। विभाग यह पता लगाने में जुटा है कि संपत्तियों की खरीद के लिए इस्तेमाल किया गया धन कहां से आया और क्या वह आयकर नियमों के अनुरूप घोषित किया गया था।

झारखंड और बिहार में 45 ठिकानों पर एक साथ कार्रवाईः आयकर विभाग की अनुसंधान शाखा ने 29 जनवरी को झारखंड और बिहार में एक साथ छापेमारी शुरू की थी। इस कार्रवाई के तहत बाबा एग्रो फूड, बाबा फूड प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड और चावल व्यापार से जुड़े आढ़त व्यापारियों के कुल 45 ठिकानों को जांच के दायरे में लिया गया। शुक्रवार को रांची के नगड़ी, कांके रोड, रातू रोड, हरमू रोड और बरियातू स्थित परिसरों की तलाशी ली गई।

नकदी गिनने के लिए बैंकों के अधिकारी बुलाए गएः शुक्रवार को बरामद नकदी की गिनती के लिए बैंकों के अधिकारियों को मौके पर बुलाया गया। देर शाम तक नकदी और दस्तावेजों की जांच जारी रही। खबर लिखे जाने तक छापेमारी की कार्रवाई समाप्त नहीं हुई थी। आयकर विभाग के अधिकारी कच्चे व्यापार, लेन-देन और रिकॉर्ड से जुड़े कागजात खंगालने में जुटे हुए हैं।

जांच पूरी होने के बाद होगी आगे की कार्रवाईः आयकर विभाग का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अगर नकदी, जेवरात और संपत्तियां अघोषित पाई जाती हैं, तो संबंधित लोगों के खिलाफ आयकर अधिनियम के तहत सख्त कदम उठाए जाएंगे। फिलहाल झारखंड और बिहार दोनों राज्यों में छापेमारी जारी रहने की संभावना जताई जा रही है।

बंगाल में ममता बनर्जी पर बरसे शाह कार्यकर्ताओं में भरा जोश, कहा-

'टीएमसी की विदाई का समय आ गया'

उत्तर 24 परगना : पश्चिम बंगाल में भाजपा के दिग्गज नेता और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने चुनावी बिगुल फूंक दिया है। शनिवार को उत्तर 24 परगना में शाह ने कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। अपने संबोधन में शाह ने कहा कि अब टीएमसी की विदाई का समय आ गया है। इसी के गृहमंत्री अमित शाह ने ममता सरकार पर घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि बंगाल के लोग टीएमसी को उखाड़ फेकेंगे। इनकी विदाई का समय आ गया है। इसी के साथ गृहमंत्री ने ममता बनर्जी और उनकी पार्टी पर वंदे मातरम के अपमान का भी आरोप लगाया।

आज डिप्टी सीएम पद की शपथ लेंगी दिवंगत अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार

मुंबईः दिवगंत अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार आज महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री पद की शपथ लेगी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के सूत्रों ने यह जानकारी दी है। सूत्रों के अनुसार श्रीमती पवार को आज दिन में पार्टी के विधायक दल की बैठक में नेता चुना जाएगा और उसके बाद शाम पांच बजे उन्हें यहां राजभवन में उपमुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई जाएगी।

अजीत पवार महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री थे और पार्टी में उनके निधन के बाद श्रीमती पवार को उनकी जगह उप मुख्यमंत्री बनाने का फैसला लिया है। श्रीमती पवार अभी राज्यसभा की सदस्य हैं। उल्लेखनीय है कि राकांपा के नेताओं ने कल मुख्यमंत्री देवेंद्र फणडवीस के साथ दो दौर की बातचीत की थी। उसके बाद श्री फणडवीस ने संवाददाताओं से कहा था कि राकांपा उप मुख्यमंत्री पद के बारे में जो भी फैसला लेगी सरकार और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मान्य होगा।

कॉन्गो में बड़ा हादसा, कोल्टन खदान ढहने से 200 से अधिक मजदूरों की मौत

किंशासाः कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य की रुबाया इलाके में खदानों की कोल्टन साइट पर कई खदानों के रास्ते ढह जाने से कम से कम 200 मजदूरों की मौत हो गई है। कांगो के बागी अर्धसैनिक समूह मार्च 23 आंदोलन ने शुक्रवार को इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि मरने वालों में बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं। ये घटनाएं बुधवार और गुरुवार को अलग-अलग खदानों में हुईं। यह इलाका अप्रैल 2024 से बागी समूह के कब्जे में है। उल्लेखनीय है कि कोल्टन उर्फ कॉलंबाइट-टैंटेलाइट टैंटेलम का प्रमुख स्त्रोत है। यह एक दुर्लभ धातु है जिसका इस्तेमाल आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में होता है। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि दुनियाभर की टैंटेलम आपूर्ति का 15 प्रतिशत रुबाया खदानों से आता है।

पीएम मोदी के जालंधर दौरे से पहले स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, अलर्ट मोड पर सुरक्षा एजेंसियां

जालंधर : प्रधानमंत्री मोदी के पंजाब दौरे से एक दिन पहले जालंधर में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों सूचना मिलने का बाद एक्टिव हो गईं और सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। यह धमकी ईमेल पर भेजी गई है। आज गुरु रविदास महाराज की जयंती पर शोभायात्रा के चलते जालंधर के स्कूलों में छुट्टी है। जानकारी के मुताबिक ईमेल में लिखा गया है कि मोदी के दौरे को लेकर बम ब्लास्ट होगा। मेल को बिली हाल के नाम से भेजा गया। मेल में लिखा गया है कि आज 3-4 स्कूलों में बम धमाका होगा। हम गुरु रविदास जी की फुल रिस्पेक्ट करते हैं। लेकिन मोदी खालिस्तान वालों का दुश्मन है। खालिस्तानियों का बाबा निरंजन दास के साथ कोई गिला-शिकवा नहीं है। मसला मोदी का है। निज्जर की मौत का जिम्मेदार कौन है बदला,बदला,बदला। निशाने पर डेरा बल्लां।वहीं पीएम मोदी की सुरक्षा के चलते पुलिस ने पूरा शेड्यूल जारी नहीं किया है।

अमेरिका में फिर तालाबंदी की आहट

मंडराने लगा शटडाउन का खतरा सीनेट में फंडिंग बिल पर फंसा पेंच

वाशिंगटन : अमेरिका में एक बार फिर सरकारी शटडाउन का खतरा पैदा हो गया है। संसद के ऊपरी सदन सीनेट में फंडिंग बिल पर सहमति नहीं बन पाने के कारण आंशिक शटडाउन की आशंका जताई जा रही है। सीनेट में उस समझौते की राह में नई बाधा उत्पन्न हो गई, जिसका उद्देश्य सभी सरकारी एजेंसियों के संचालन के लिए फंडिंग को निर्बाध बनाए रखना है। इस कारण समय रहते समाधान न निकल पाने पर सरकारी कामकाज प्रभावित हो सकता है।

गौरतलब है कि पिछले साल अक्टूबर में फंडिंग बिल अटकने के कारण अमेरिका को 43 दिनों तक शटडाउन का सामना करना पड़ा था, जिसे देश के इतिहास का सबसे लंबा शटडाउन माना जाता है। सीनेट में डेमोक्रेट्स और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुए इस समझौते के तहत कांग्रेस से एक खर्च विधेयक पारित कराने का प्रस्ताव है, जिससे सैन्य, स्वास्थ्य समेत कई प्रमुख सरकारी कार्यक्रमों के लिए फंडिंग सुनिश्चित की जा सके।

इसके साथ ही ट्रंप प्रशासन की आव्रजन नीति को लेकर नई सीमा तय करने पर बातचीत जारी रखने पर भी सहमति बनी है। हालांकि गुरुवार रात कुछ सांसदों द्वारा इस समझौते पर आपत्ति जताए जाने से प्रक्रिया में अड़चन आ गई। सीनेट की कार्यवाही स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजे शुरू होगी, जबकि शटडाउन को टालने के लिए आधी रात तक का समय शेष है। यदि सीनेट से समझौते को मंजूरी मिल जाती है, तो इसके बाद रिपब्लिकन बहुमत वाली प्रतिनिधि सभा से इसे पारित कराना होगा।

किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, 2-3 तीन आतंकी घिरे, इंटरनेट सेवा बंद

जम्मूः जम्मू-कश्मीर में किश्तवाड़ जिले के चतरू के जंगलों में शनिवार को सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, चल रहे संयुक्त अभियान ऑपरेशन त्राशी-क के दौरान व्हाइट नाइट कोर, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों ने डोलगाम के इलाके में सुबह-सुबह आतंकवादियों से फिर से मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने कहा कि अभियान को अंजाम देने के लिए कई सूत्रों से मिली खुफिया जानकारी को समन्वय किया गया था। सेना ने एक पोस्ट में कहा, ह्लघेराबंदी कर दी गई है, और अभियान जारी है।

उन्होंने कहा कि बर्फ से ढके चतरू इलाके में छिपे आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के दो से तीन आतंकवादियों के समूह को ढूंढ निकालने और खत्म करने के लिए तलाशी अभियान तेज कर दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि 18 जनवरी को शुरू हुए इस अभियान के दौरान देश विरोधी तत्वों द्वारा दुरुपयोग को रोकने के लिए शुक्रवार को सिंहपोरा, चिंगम और चतरू को कवर करने वाले छह किलोमीटर के दायरे में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था।

शहबाज शरीफ ने दुनिया को बताई पाक की कंगाली की सच्चाई

कर्ज लेने में झुकता है सिर, चुकानी पड़ती है इज्जत की कीमत

नई दिल्ली : पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने देश की बदहाल अर्थव्यवस्था और बढ़ते कर्ज को लेकर एक कड़वी हकीकत स्वीकार की है। उन्होंने कहा कि दुनिया के सामने हाथ फैलाने से न केवल देश का सिर झुकता है, बल्कि इसकी भारी कीमत इज्जत के रूप में भी चुकानी पड़ती है। शहबाज शरीफ का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब पाकिस्तान पर प्रति व्यक्ति कर्ज का बोझ बढ़कर 3.133 लाख रुपये से अधिक हो गया है, जो देश की चरमराती आर्थिक स्थिति को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे खुले तौर पर स्वीकार करते नजर आ रहे हैं कि कर्ज मांगने के दौरान उन्हें कई बार अपमानजनक स्थितियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को कर्ज दिलाने के लिए उन्हें कई ऐसे समझौते करने पड़े, जिन्हें वे दिल से स्वीकार नहीं करना चाहते थे।

वीडियो में शहबाज शरीफ ने कर्ज देने और लेने वाले देशों के बीच के अंतर को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि कई बार कर्ज देने वाले देशों की ऐसी शर्तें माननी पड़ती हैं, जिन्हें पूरा करने की उनकी इच्छा नहीं होती, लेकिन मजबूरी में ऐसा करना पड़ता है। हालांकि, यह वीडियो कब और कहां का है, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।

प्रधानमंत्री ने बिना किसी लाग-लपेट के बताया कि वे और फील्ड मार्शल कई देशों में गए और उनसे कहा कि पाकिस्तान आईएमएफ प्रोग्राम में है और उसे बाहरी वित्तीय सहायता की जरूरत है। उन्होंने कहा, हमने उनसे कहा कि आप इतने बिलियन डॉलर दे दें। उन्होंने मना नहीं किया, लेकिन कर्ज लेने वाले का सिर हमेशा झुका रहता है।

गौरतलब है कि पाकिस्तान लंबे समय से कर्ज के भारी बोझ तले दबा हुआ है। दिसंबर 2025 तक पाकिस्तान का कुल कर्ज बढ़कर 52.366 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। संसद में पेश राजकोषीय नीति के अनुसार, हर पाकिस्तानी नागरिक पर कर्ज का बोझ 13 प्रतिशत बढ़कर 3,33,000 रुपये हो गया है। इससे पहले वित्त वर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा 2,94,098 रुपये था।

कर्ज में डूबे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने आखिरकार दुनिया के सामने यह सच्चाई स्वीकार कर ली है कि देश गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है और कर्ज पर उसकी निर्भरता लगातार बढ़ती जा रही है।

सिल्ली में चला राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा अभियान

मुरी: परिवहन विभाग झारखंड सरकार की ओर से सिल्ली में सड़क दुर्घटना को लेकर अभियान चलाया गया। इस अभियान में बुंडु चौक सिल्ली में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जनता को जागरूक करने का प्रयास किया गया। स्वयं जागरूक होकर गाड़ी चलाते समय हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाए, तेज रफ्तार में गाड़ी न चलाए, नशा न करें, ओवरटेक से बचे। सिंग्नल का पालन करे। मोड़ पर गाड़ी धीमी गति से चलाए, भीड़ भाड़ में रफ्तार धीमी कर ले।

लगाम खेलगांव में खेलकूद प्रतियोगिता

मुरी: लगाम खेलगांव में खेलकूद प्रतियोगिता को लेकर हर साल की भांति इस साल भी प्रतिभा महोत्सव का आयोजन किया गया। शुभ्भारम में जिला परिषद वीणा देवी, प्रखंड प्रमुख जितेंद्र बडाईक समेत सम्मानित पदाधिकारी एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे। प्रतिभा दर्शन में बालक बालिका की फुटबॉल प्रतियोगिता, क्रिकेट मैच, कैरम टूर्नामेंट, चेस व अन्य प्रतियोगिता शामिल हैं।

बिसरिया गांव की महिलाओं ने अवैध शराब बिक्री को लेकर थाने में दिया लिखित आवेदन

सिल्ली: मुरी ओपी थाना अंतर्गत बिसरिया गांव की महिलाओं ने क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री और उपद्रव के खिलाफ थाने में लिखित आवेदन देकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। महिलाओ का कहना है कि गांव में लगातार हो रही शराब बिक्री और इसके कारण बिगड़ते माहौल व घरेलू हिंसा के कारण महिलाएं परेशान हैं। बताया जाता है कि महिलाओं ने पुलिस पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए गांव के ही कुछ लोगों द्वारा शराब बेचने की शिकायत की है। कहीं न कहीं महिलाओं का यह पहल अपनी सुरक्षा और परिवार को नशे के दुष्प्रभाव से बचाने के लिए सामूहिक प्रयास का उदाहरण है। वही मुरी ओपी प्रभारी राहुल कुमार मेहता ने महिलाओं को जल्द ही इस पर कार्रवाई करने का भरोसा देते हुए कहा कि इसमें शराब की बिक्री बंदी के लिए हर लोगों को जागरूक होने की भी आवश्यकता है।

नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 : नामांकन प्रक्रिया शुरू,वंचित सूची अभी अप्राप्त

चतरा: नगरपालिका आम निर्वाचन को लेकर अधिसूचना दिनांक 28 जनवरी को निर्गत की जा चुकी है। इसके साथ ही 29 जनवरी से 04 फरवरी तक नाम-निर्देशन पत्र दाखिल किए जाने की तिथि निर्धारित की गई है।इस संबंध में जिला प्रशासन की ओर से जानकारी दी गई है कि जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)-सह-उपायुक्त, चतरा द्वारा पूर्व में पत्रांक 1471/न०प०, दिनांक 19 नवंबर 2022 के माध्यम से नगरपालिका आम निर्वाचन 2018 के अभ्यर्थियों से संबंधित अनुपूरक प्रतिवेदन राज्य निर्वाचन आयोग, झारखण्ड, रांची को भेजा गया था।प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि वर्तमान में नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 के लिए राज्य निर्वाचन आयोग, झारखण्ड से वंचित व्यक्तियों की सूची प्राप्त नहीं हुई है। ऐसी स्थिति में नामांकन की प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संचालित की जा रही है।जिला प्रशासन के अनुसार, राज्य निर्वाचन आयोग से वंचित व्यक्तियों की सूची प्राप्त होने के उपरांत ही आयोग के निदेशानुसार आगे की आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।अपर समाहर्ता ने बताया कि निर्वाचन से संबंधित सभी कार्यवाहियां राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेशों के अनुरूप पारदर्शी एवं विधिसम्मत ढंग से संपन्न कराई जाएंगी।

नगर परिषद आम निर्वाचन 2026 : नामांकन प्रक्रिया के दूसरे दिन वार्ड संख्या आठ से नामांकन दाखिल

चतरा: नगर परिषद (आम) निर्वाचन 2026 के अंतर्गत नाम-निर्देशन की प्रक्रिया के दूसरे दिन वार्ड संख्या आठ से सेवंती देवी द्वारा वार्ड सदस्य पद के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया गया। जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नामांकन की प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई जा रही है।

मतदाता सूची की गुणवत्ता सुधार पर जोर

चार फरवरी तक ब्लर फोटो से जुड़े मामलों के निष्पादन का निर्देश

संवाददाता

रांची: झारखंड में मतदाता सूची में दर्ज मतदाताओं की फोटो की गुणवत्ता सुधारने को लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि ब्लर या कम गुणवत्ता वाली फोटो से जुड़े सभी मामलों का निष्पादन 4 फरवरी तक हर हाल में पूरा किया जाए।

समीक्षा बैठक में हुई विस्तृत चर्चा: शुक्रवार को निर्वाचन सदन से आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने इस विषय पर सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की। बैठक में यह निर्देश दिया गया कि सभी बीएलओ अपने-अपने क्षेत्र के मतदाताओं की स्पष्ट और उच्च गुणवत्ता वाली फोटो बीएलओ एप के माध्यम से लेकर एप में अपलोड करना सुनिश्चित करें, ताकि मतदाता सूची में मौजूद फोटो संबंधी त्रुटियों को दूर किया जा सके।

बीएलओ और मतदाताओं की पारस्परिक जानकारी पर जोर: के. रवि कुमार ने कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र के सभी मतदाताओं को अपने बीएलओ की जानकारी होनी चाहिए। इसी तरह हर बीएलओ को अपने मतदान केंद्र क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी मतदाताओं की पूरी जानकारी रखना अनिवार्य है। इससे मतदाता सूची से जुड़ी शिकायतों का त्वरित और प्रभावी समाधान संभव हो सकेगा।

ईसीनेट प्लेटफॉर्म की सुविधा के प्रभावी उपयोग के निर्देश: मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा ईसीनेट प्लेटफॉर्म के माध्यम से बुक ए कॉल विद योर बीएलओ की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इस सुविधा के जरिए मतदाता सीधे अपने बीएलओ से संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि इस माध्यम से प्राप्त सभी शिकायतों और अनुरोधों का समयबद्ध निष्पादन किया जाए और बीएलओ कॉल बैक सुविधा का उपयोग कर मतदाताओं की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करें।

समीक्षा बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, नोडल पदाधिकारी (प्रशिक्षण) देव दास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज ठाकुर, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सहित सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

चुनावी पारदर्शिता को लेकर चेतावनी: मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची की शुद्धता और फोटो की गुणवत्ता चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नगर परिषद चुनावः घर मापी का खौफ

प्रत्याशियों को खोजे नहीं मिल रहे हैं प्रस्तावक व समर्थक

प्रत्याशी परेशान, अपने पैसे से प्रस्तावक व समर्थक का कटा रहे होल्डिंग टैक्स

संवाददाता

चतरा: नगर परिषद के चुनाव में अध्यक्ष के साथ साथ वार्ड पार्षद पद पर चुनाव लड़ने का मन बनाए प्रत्याशियों के लिए होल्डिंग टैक्स क्लियरेंस मुसीबत बन गया है। पहले तो अपने घर के लिए होल्डिंग टैक्स क्लियरेंस के लिए प्रत्याशियों को पसीना बहाना पड़ रहा था, अब चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों के लिए समर्थक व प्रस्तावकों का भी होल्डिंग टैक्स क्लियरेंस चाहिए। स्थिति ऐसी उत्पन्न हो गई है कि प्रत्याशियों को नामांकन के लिए प्रस्तावक और समर्थक खोजे नहीं मिल रहे हैं। मामला जैसे ही प्रत्याशियों के लिए समर्थक और प्रस्तावक बनने का आ रहा है, लोग होल्डिंग टैक्स क्लियर नहीं होने का बहाना बना दे रहे हैं।

मांगों को बताया जायज, सरकार पर लगाए आरोप: प्रत्याशी चुनाव में अपने विश्वासी लोगों को ही प्रस्तावक और समर्थक बनाते हैं, ऐसे में प्रत्याशी अपने पैसे लगाकर भी प्रस्तावकों और समर्थकों का होल्डिंग टैक्स अपटूडेट करवा रहे हैं। ऐसे में भी घर की मापी होने के डर से लोग प्रस्तावक और समर्थक बनने से इंकार कर दे रहे हैं। यहां बताते चले कि नगर परिषद चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों व उनके प्रस्तावक व समर्थकों के घरों का नगर परिषद के द्वारा घरों की मापी कर होल्डिंग टैक्स के लिए असिस्मेंट किया जा रहा है। घर की लंबाई चौड़ाई के आधार पर होल्डिंग टैक्स लगाया जा रहा है। अध्यक्ष पद पर चुनाव लड़ रहे ओमप्रकाश वर्मा ने बताया कि नगर परिषद के द्वारा होल्डिंग टैक्स को लेकर जो कानून लागू किया गया है, उसमें प्रत्याशियों को नामांकन कराने के लिए प्रस्तावक और समर्थक नहीं मिल रहें हैं। मिल भी रहे हैं तो होल्डिंग टैक्स बकाया होने का हवाला देकर प्रस्तावक और समर्थक बनने से इंकार कर दे रहे हैं।

अध्यक्ष व वार्ड पार्षद के नामांकन के लिए चाहिए एक एक प्रस्तावक और समर्थकः नगर परिषद चुनाव में अध्यक्ष और वार्ड पार्षद के पद पर चुनाव लड़ने के लिए प्रत्याशियों को एक एक प्रस्तावक और समर्थक अनिवार्य हैं। अध्यक्ष पद के लिए अब तक लगभग 20 लोगों का प्रत्याशियों का नाम सामने आया है। इनके लिए 40 प्रस्तावक और समर्थक चाहिए। जबकि शहर के 22 वार्डों में 100 से अधिक वार्ड पार्षद के प्रत्याशियों का नाम सामने आ रहा है। लगभग सभी वार्डों से चार पांच नाम सामने आ रहा है। ऐसे में वार्ड पार्षद के लिए लगभग 200 प्रस्तावक और समर्थक चाहिए।

हक और अधिकार के लिए कुड़मी अधिकार महारैली कल

संवाददाता

रांची: कुड़मी समाज के हक और अधिकार को लेकर प्रस्तावित कुड़मी अधिकार महारैली अब एक मार्च को राजधानी रांची के प्रभात तारा मैदान में आयोजित की जाएगी। इसकी जानकारी शुक्रवार को स्थानीय होटल गंगा आश्रम में बृहत झारखंड कुड़मी समन्वय समिति की ओर से आयोजित प्रेस वार्ता में दी गई। प्रेस वार्ता की अध्यक्षता समिति के मुख्य संयोजक शीतल ओहदार ने की।

तारीख बदलने के पीछे बताए गए कारण: शीतल ओहदार ने बताया कि पहले यह महारैली 22 फरवरी को प्रभात तारा मैदान, धुर्वा में प्रस्तावित थी, लेकिन नगर निकाय चुनाव की घोषणा और आचार संहिता लागू होने के कारण इसे स्थगित कर एक मार्च को आयोजित करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड सरकार जानबूझकर कुड़मी समाज को संगठित होने से रोकने का प्रयास कर रही है।

मांगों को बताया जायज, सरकार पर लगाए आरोप: प्रेस वार्ता में कहा गया कि कुड़मी समाज की मांगें पूरी तरह से जायज हैं। समाज की प्रमुख मांगों में कुड़मी जाति को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करना और कुड़माली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में स्थान दिलाना शामिल है। शीतल ओहदार ने कहा कि 20 सितंबर को हुए रेल रोको आंदोलन के बाद सरकार घबरा गई है और इसी कारण बार-बार समाज की रैलियों को रोका जा रहा है।

रैली की अनुमति न मिलने पर नाराजगी: उन्होंने यह भी कहा कि कुड़मी समाज का आंदोलन केंद्र सरकार से संबंधित है, इसके बावजूद राज्य सरकार द्वारा रैली की अनुमति नहीं देना समझ से परे है। 11 जनवरी को मोराबादी मैदान में सरकारी कार्यक्रम का हवाला देकर मैदान उपलब्ध नहीं कराया गया, जबकि 22 फरवरी की रैली को चुनाव आयोग के निर्देश के बाद अनुमति नहीं दी गई। इन घटनाओं से समाज में आक्रोश व्याप्त है।

समाज से एकजुट होकर पहुंचने की अपील: शीतल ओहदार ने कुड़मी समाज के युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों और बुद्धिजीवियों से आह्वान किया कि वे एक मार्च को प्रभात तारा मैदान पहुंचकर अपने हक और अधिकार के लिए आर-पार की लड़ाई के लिए तैयार रहें। प्रेस वार्ता में सखीचंद महतो, दानिसिंह महतो, संजय लाल महतो, सुषमा महतो, अधिवक्ता मिथिलेश कुमार महतो, राजकुमार महतो, सोना लाल महतो, ज्योतिष महतो, रूपलाल महतो, खिरोधार महतो, संदीप महतो, किरण महतो और सुमन देवी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

प्रांतीय प्रधानाचार्य सम्मेलन का तीसरा दिन

विविध शैक्षिक विषयों पर हुई सार्थक चर्चा

संवाददाता

चतरा: जिला मुख्यालय स्थित दीभा मुहल्ला के स्थानीय इंदुमती टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर उच्च विद्यालय में विद्या विकास समिति, झारखंड के तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय प्रांतीय प्रधानाचार्य सम्मेलन 2026 के तीसरे दिन कार्यक्रम गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में कार्यक्रम संयोजक सह विद्यालय प्रबंध समिति के कोषाध्यक्ष मुकेश साह, सचिव संजय सिन्हा,साहेबगंज विभाग निरीक्षक रमेश कुमार,जमशेदपुर विभाग निरीक्षक तुलसी प्रसाद ठाकुर एवं जनजातीय पूर्णकालिक कार्यकर्ता रंथू उरांव जी ने संघ के संस्थापक एवं पूर्व संघचालकों को श्रद्धा-सुमन अर्पित किए।सरस्वती वंदना के पश्चात प्रांत स्तरीय प्रतिभा खोज एवं चयन प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों हेतु संबंधित विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया गया। शिशु वाटिका की 12 शैक्षिक व्यवस्थाओं से युक्त वाटिका का अवलोकन पूर्णकालिक बंधुओं द्वारा किया गया। विद्या विकास समिति के प्रदेश सचिव नकुल कुमार शर्मा ने प्रधानाचार्यों को संबोधित करते हुए विद्या भारती के लक्ष्यों के अनुरूप विद्यालयीय गतिविधियों पर बल दिया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय मंत्री ब्रह्मा जी राव की गरिमामयी उपस्थिति रही।

प्रथम सत्र में खेल विधा पर चर्चा करते हुए देवघर के विभाग निरीक्षक सुरेश मंडल ने विद्या भारती की उपलब्धियों का तथ्यात्मक चित्र प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि 293 विद्यालयों में से 60 विद्यालयों की सक्रिय सहभागिता रही, जिसमें 824 खिलाड़ियों ने क्षेत्रीय तथा 443 खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा का प्रदर्शन किया। संगीत विषय पर धनबाद विभाग निरीक्षक नीरज लाल ने विद्यालयों में दादा-दादी, नाना-नानी सम्मान समारोह में बाल सहभागिता की जानकारी साझा की। वहीं कार्यक्रम के सर्वव्यस्था प्रमुख सह पलामू विभाग के निरीक्षक अखिलेश कुमार ने समय-सारिणी, शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम, मध्यावकाश पूर्व मुख्य विषयों की पढ़ाई तथा आचार्यों से जुड़ी सेवा-सुविधाओं पर मार्गदर्शन दिया।द्वितीय सत्र में रांची के विभाग निरीक्षक विवेक नयन पांडेय ने सीसीई के माध्यम से परीक्षा व्यवस्था एवं पाठ्यक्रम की समयबद्ध पूर्णता पर प्रकाश डाला। जमशेदपुर विभाग निरीक्षक तुलसी प्रसाद ठाकुर ने शिशु वाटिका की गुरुकुल-आधारित परिकल्पना बताते हुए झारखंड में इसके संचालन की जानकारी दी। हजारीबाग विभाग निरीक्षक ब्रजेश कुमार सिंह ने प्रदेश के 27 विद्यालयों में स्थापित एटीएल की उपयोगिता को पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किया। तृतीय सत्र में सह प्रदेश मंत्री डॉ. पूजा ने सप्त शक्ति संगम की आवश्यकता और मातृशक्ति के सशक्तीकरण पर विचार रखे।चौथे और अंतिम सत्र में विद्या विकास समिति के माननीय प्रदेश मंत्री डॉ .ब्रजेश कुमार ने भारतीय ज्ञान परंपरा (क्ळ्ड) एवं स्वदेशी सप्ताह के आयोजन को लेकर आयोजित चर्चा वार्ता सत्र में प्रधानाचार्यों को इसके उद्देश्य,महत्व एवं क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी दी गई। कक्षा दशम और द्वादश बोर्ड में राज्य में स्थान लाने वाले परिणामों के आधार पर संबंधित विद्यालय के प्रधानाचार्य को उत्कृष्ट विद्यालय सम्मान प्रदत्त किया गया।अंत में भैया-बहनों की सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ तीसरे दिन के सत्र का समापन हुआ। चार दिवसीय प्रांतीय प्रधानाचार्य सम्मेलन का विधिवत समापन आज 31 जनवरी को किया जाएगा।इस आशय की जानकारी मीडिया प्रभारी मनीष कुमार ने दी।

सदर अस्पताल प्रबंधन समिति की बैठक में लिए गए कई अहम फैसले

चतरा: सदर अस्पताल के उपाधीक्षक कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को अस्पताल प्रबंधन समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला परिषद अध्यक्ष ममता कुमारी ने की।

बैठक में सांसद प्रतिनिधि बिनय सिंह, जिला परिषद उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी, एसडीओ जहूर आलम, सिविल सर्जन डॉ. जगदीश प्रसाद, उपाधीक्षक डॉ. पंकज कुमार, रेड क्रॉस सचिव धर्मेंद्र पाठक समेत कई अधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में पिछली बैठक की कार्रवाई की समीक्षा की गई। साथ ही कायाकल्प योजना के तहत चल रहे अधूरे कार्यों को अविलंब पूरा करने का निर्णय लिया गया।इसके अलावा रेन वाटर हार्वेस्टिंग का कार्य शीघ्र पूरा कराने,जर्जर भवन एवं चाहरदीवारी की मरम्मत, क्रय समिति के निर्णय के आधार पर खरीदे गए दवाओं एवं उपकरणों के बकाया बिल का शीघ्र भुगतान आपूर्तिकताओं को कराने का निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान पोस्टमार्टम हाउस जाने वाले मार्ग के निर्माण कार्य को नगर निकाय चुनाव के बाद पूरा कराने का निर्णय लिया गया।

1 मार्च से सख्त ड्रेस कोड लागूः सदर अस्पताल में कार्यरत सभी कर्मियों के लिए ड्रेस कोड लागू करने का निर्णय लिया गया।एएनएम, जीएनएम सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी (आउटसोर्सिंग कर्मियों को छोड़कर) पिंक कलर की ड्रेस में ही ड्यूटी करेंगे। स्पष्ट किया गया कि 1 मार्च के बाद ड्रेस पहनकर नहीं आने वाले कर्मियों को अस्पताल में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

नगर निगम चुनाव को लेकर चुटिया प्रखंड कांग्रेस समिति की बैठक,2

रांची: आगामी नगर निगम चुनाव के मद्देनजर चुटिया प्रखंड कांग्रेस समिति की एक आवश्यक बैठक आज अध्यक्ष प्रशांत गौरव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें इस क्षेत्र से कांग्रेस विचारधारा के पार्षद हेतु चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों एवं महापौर की जीत सुनिश्चित करने हेतु विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव सह इस क्षेत्र के नगर निगम चुनाव प्रभारी शशि भूषण राय ने बताया कि हम सभी इसके लिए अपनी पूरी ताकत झोंक देंगे। महानगर उपाध्यक्ष सह चुटिया प्रखंड प्रभारी अरुण चावला ने कहा कि इसके लिए हम घर-घर जाकर जनसंपर्क करने का अभियान जल्द ही प्रारंभ करेंगे। धन्यवाद ज्ञापन कोयलांचल स्टील कामगार यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष दीपेश पाठक ने दिया। बैठक में रजनी टोप्पो,प्रसन्ना बेक,स्थिर एक्का,अमित आनंद,कन्हैया प्रसाद,बिरसा तिर्की,विकास सिंह,विमल हांसदा,अजय महली,प्रदीप, विवेक सिंह,किशोर राय,गोपाल पांडे,भरत प्रसाद,करण नायक,महेश राय,गोरख यादव,रवि गोस्वामी,योगेंद्र मुंडा,राजेश साहू,नीतीश तिर्की, विवेक पांडे,हिमांशु राय ने अपने विचार व्यक्त किए।

लोकप्रिय व कर्मठ लीला प्रसाद वार्ड तीन से करेंगीं नामांकन

चक्रधरपुर: वार्ड नंबर 3 से चुनाव जीतकर अपनी बेहतर पहचान और वार्ड वासियों की समस्याओं का निष्पादन और भरपूर विकास कार्यों के फलस्वरूप अपनी दमदार पहचान रखने वाली लीला प्रसाद अपने वार्ड से चुनाव लड़ने के लिए अपना नामांकन पत्र 2 फरवरी को दाखिल करेंगीं। निवर्तमान वार्ड पार्षद लीला प्रसाद अपने बेहतर और उत्कृष्ट कार्यों से लोकप्रिय वार्ड पार्षद के रूप में पहचानी जाती हैं । वो अपने वार्ड वासियों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। उनका कहना है कि उनके द्वारा किए गए कार्यों को वार्ड वासियों ने भलीभाँति देखा है तथा जनसमस्याओं का निराकरण तथा विकास कार्यों के फलस्वरूप उनका वार्ड हमेशा बेहतर वार्ड के रूप में पहचाना जाता है । जो सभी के सकरात्मक सहयोग से संभव हो पाया है। उनका मानना है कि वार्डवासी ही उनकी ताकत हैं।

थेलेसिमिया से पीड़ित बच्ची को ब्लड देने वाले अंगरक्षक को किया गया सम्मानित

सिमडेगा: करीब 9 बजे रात में सामाजिक कार्यकर्ता प्रभात कुमार के माध्यम से पुलिस अधीक्षक को यह सूचना प्राप्त हुई कि, पिथरा नवाटोली निवासी बिनोद कुल्लू की 9 वर्षीय पुत्री रोनिका कुल्लू थेलेसिमिया बीमारी से पीड़ित है तथा उसे तत्काल ओ-पॉजिटिव रक्त की आवश्यकता है। ब्लड बैंक में रक्त उपलब्ध नहीं होने के कारण पुलिस अधीक्षक से सहायता का आग्रह किया गया।

उक्त सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक ने तत्काल ओ-पॉजिटिव रक्त उपलब्ध कराने हेतु परिचारी प्रवर सिमडेगा को निर्देशित किया। निदेशानुसार परिचारी प्रवर महोदय द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त ब्लड ग्रुप के पुलिस कर्मी का पता लगाया गया तथा अपर समाहर्ता के अंगरक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त आरक्षी/502 देव कुमार दास को रक्त दान हेतु आग्रह किया। जिसके बाद उक्त आरक्षी देव कुमार दास ने 30 जनवरी को सदर अस्पताल के ब्लड बैंक में जाकर रक्त दान किया। उक्त आरक्षी द्वारा तत्काल में रक्त दान कर उक्त थैलेसीमिया से पीड़ित बालिका के उपचार एवं जीवन रक्षा में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया, जो मानवता एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान है। यह निस्वार्थ, संवेदनशील एवं प्रशंसनीय कार्य सिमडेगा पुलिस की मानवीय छवि को सुदृढ़ करता है तथा समाज के लिए प्रेरणाश्रोत है और पुलिस की प्रतिष्ठा में बढोतरी करता है। सिमडेगा पुलिस द्वारा इनके इस प्रकार के कार्य की सराहना की जाती है तथा प्रशस्ति प्रत्र प्रदान कर पुरस्कृत तथा सम्मानित किया जाता है।

संत दोमनिक इंटर कॉलेज लचरागढ़ में विदाई समारोह का आयोजन

लचरागढ़: संत दोमनिक इंटर कॉलेज, लचरागढ़ में कक्षा 12वीं के छात्र-छात्राओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य फादर क्लेमेंट लकड़ा ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। प्राचार्य फादर क्लेमेंट लकड़ा ने अपने संबोधन में कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को हमेशा आदर्श, निडरता और संघर्ष के मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान आधुनिकीकरण के दौर में शिक्षा के बिना जीवन का कोई महत्व नहीं है। विद्यार्थियों को समय के अनुसार स्वयं को तैयार करते हुए कंप्यूटर, अंग्रेजी जैसे विषयों में विशेष दक्षता हासिल करनी चाहिए, ताकि वे शिक्षा के स्तर को और ऊँचाई तक ले जा सकें।

रांची नगर निगम चुनाव

मेयर पद पर सस्पेंस बरकरार, वार्ड पार्षद पद के लिए उम्मीदवारों की लगी भीड़

संवाददाता

रांची: झारखंड में नगर निकाय चुनाव की प्रक्रिया शुरू होते ही राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। रांची नगर निगम चुनाव को लेकर उम्मीदवारों में खासा उत्साह दिख रहा है, खासकर वार्ड पार्षद पद के लिए। हालांकि मेयर पद को लेकर अभी इंतजार बना हुआ है।

11 संभावित उम्मीदवार मेयर पद के लिए पर्चा खरीद चुके हैं: झारखंड में नगर निकाय चुनाव का बिगुल बज चुका है। रांची नगर निगम चुनाव के तहत बीते शुक्रवार को नामांकन दाखिल करने का दूसरा दिन था, लेकिन मेयर पद के लिए अब तक किसी भी प्रत्याशी ने नामांकन नहीं किया है। फिलहाल मेयर पद के इच्छुक उम्मीदवारों ने केवल नामांकन पत्र खरीदे हैं। जानकारी के अनुसार, आज मेयर पद के लिए पांच और बीते दिन छह लोगों ने नामांकन पत्र लिया था। इस तरह अब तक कुल 11 संभावित उम्मीदवार मेयर पद के लिए पर्चा खरीद चुके हैं, लेकिन किसी ने भी नामांकन दाखिल नहीं किया है। वहीं, वार्ड पार्षद पद को लेकर उम्मीदवारों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। बड़ी संख्या में लोग नामांकन पत्र खरीद रहे हैं और कुछ वार्डों से नामांकन भी दाखिल किए गए हैं। रांची नगर निगम में कुल 53 वार्ड हैं। आज वार्ड नंबर 2 से सरिता देवी और वार्ड नंबर 37 से राहुल कुमार ने नामांकन दाखिल किया। नगर निगम चुनाव में वार्ड पार्षद पद के लिए जबरदस्त उत्साह: वार्ड 1 से 6 के लिए आज 12 लोगों ने नामांकन पत्र खरीदे, जबकि बीते दिन 26 लोगों ने पर्चे लिए थे। इन्हीं वार्डों में से वार्ड नंबर 2 से सरिता देवी ने नामांकन दाखिल किया। वार्ड 7 से 12 के बीच आज 16 लोगों ने नामांकन पत्र खरीदे, जबकि कुल 17 लोगों ने फार्म लिया था, लेकिन यहां से अब तक कोई नामांकन दाखिल नहीं हुआ है। वार्ड 13 से 18 के लिए आज 15 और बीते दिन 14 लोगों ने नामांकन पत्र खरीदे, मगर किसी ने भी अब तक नामांकन नहीं किया है। वार्ड 19 से 24 तक आज 10 और कल 31 लोगों ने पर्चे खरीदे, लेकिन इन वार्डों से भी नामांकन दाखिल नहीं हुआ है। वार्ड 25 से 30 के लिए आज 13 और बीते दिन 22 लोगों ने नामांकन पत्र लिए, लेकिन यहां से भी कोई नामांकन नहीं हुआ है। वार्ड 31 से 36 के लिए आज 21 और कल 37 प्रत्याशियों ने पर्चे खरीदे, हालांकि इन वार्डों से भी आज कोई नामांकन दाखिल नहीं किया गया। वार्ड 37 से 41 के लिए आज 9 और बीते दिन 24 लोगों ने नामांकन पत्र खरीदे। इनमें से वार्ड नंबर 37 से राहुल कुमार ने नामांकन दाखिल किया है। वार्ड 42 से 47 के लिए आज किसी ने नामांकन पत्र नहीं खरीदा, जबकि कल 27 लोगों ने फॉर्म लिया था। वहीं, वार्ड 48 से 53 के लिए आज 15 और बीते दिन 24 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र खरीदे, लेकिन इन वार्डों से भी अब तक कोई नामांकन दाखिल नहीं हुआ है। कुल मिलाकर, रांची नगर निगम चुनाव में वार्ड पार्षद पद के लिए जहां जबरदस्त उत्साह नजर आ रहा है, वहीं मेयर पद के लिए अभी उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल करने से दूरी बनाई हुई है। उम्मीदवार 4 फरवरी तक नामांकन दाखिल कर सकते हैं। 5 फरवरी को नामांकन पत्रों की जांच होगी, 6 फरवरी को नाम वापसी की प्रक्रिया होगी और 7 फरवरी को चुनाव चिह्न आवंटित किए जाएंगे। नगर निकाय चुनाव के लिए मतदान 23 फरवरी को होगा, जबकि मतगणना के बाद 27 फरवरी को नतीजे घोषित किए जाएंगे।

वार्ड 18 से पार्षद पद के प्रत्याशी सोमवित माजी ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

गुलाम शाहिद

रांची : राज्य सभा सांसद महुआ माजी के पुत्र एवं रांची म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन के वार्ड संख्या 18 से पार्षद पद के प्रत्याशी सोमवित माजी ने नामांकन फॉर्म प्राप्त करने के पश्चात आज मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान सोमवित माजी ने मुख्यमंत्री से आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं प्राप्त कीं। मुख्यमंत्री ने सोमवित माजी को आगामी नगर निगम चुनाव के लिए शुभकामनाएँ देते हुए जनसेवा, विकास एवं जनकल्याण के संकल्प के साथ आगे बढ़ने का मार्गदर्शन प्रदान किया। इस भेंट को वार्ड 18 के विकास एवं जनहित के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। सोमवित माजी ने कहा कि वे वार्ड 18 के नागरिकों की समस्याओं के समाधान, स्वच्छता, बुनियादी सुविधाओं और समग्र विकास को अपनी प्राथमिकता बनाएंगे तथा जनता के विश्वास पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास करेंगे।

सैयद यावर हुसैन की याद में नि:शुल्क चिकित्सा व स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

रांची: मिल्ली तालीमी मिशन के पूर्व चैयरमैन स्वर्गीय सैयद यावर हुसैन (वकील) की याद में एक नि:शुल्क चिकित्सा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन रांची के मिल्लत एकेडमी स्कूल में किया गया। यह शिविर विशेष रूप से छात्रों, शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों एवं अभिभावकों के स्वास्थ्य परीक्षण को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया गया । इस दौरान अनुभवी चिकित्सकों द्वारा सामान्य स्वास्थ्य जांच, रक्तचाप, शुगर, वजन, तथा प्राथमिक परामर्श जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गया । आवश्यकता के अनुसार मरीजों को आगे की जांच और उपचार के लिए उचित सलाह भी दी गई । आयोजक सैयद फराज अब्बास ने बताया कि स्वर्गीय सैयद यावर हुसैन सामाजिक सरोकारों से जुड़े एक जागरूक और सेवाभावी व्यक्ति थे। उनकी स्मृति में आयोजित यह स्वास्थ्य शिविर समाज के प्रति उनके योगदान को सम्मान देने का एक विनम्र प्रयास है। आयौजन में सैयद फराज अब्बास,सैयद इकबाल फातमी, डॉ मुबारक अब्बास, हसनैन जैदी,आशिया हसन, नदीम खान शबनम खातून नाहिद सबा,अजमेरी परवीन, सबा सज्जूद, शहला प्रवीण, अतिया इलाही,जेनिफर परवीन और निशाद सुल्तान का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

झारखंड पर्यटन के ब्रांड एंबेसडर बनेंगे धौनी, सरकार और कैप्टन कूल के बीच जल्द होगा एमओयू

,5

रांची: झारखंड पर्यटन को नई पहचान दिलाने की दिशा में राज्य सरकार एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कैप्टन कूल के नाम से मशहूर महेंद्र सिंह धोनी को झारखंड पर्यटन विभाग का ब्रांड एंबेसडर बनाए जाने की तैयारी है।

धोनी ने सैद्धांतिक रूप से सहमति दे दी: सूत्रों के मुताबिक झारखंड सरकार और महेंद्र सिंह धोनी के बीच जल्द ही एक समझौता (एमओयू) होने की संभावना है। इसके लिए औपचारिक प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। दरअसल, दो दिन पहले ही धोनी की मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात हुई थी, जिसकी तस्वीर मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर साझा की थी। इस मुलाकात के बाद से ही धोनी के ब्रांड एंबेसडर बनने की चर्चा तेज हो गई है। पर्यटन विभाग ने झारखंड टूरिज्म के प्रचार-प्रसार को देश और विदेश तक पहुंचाने के लिए एमएस धोनी को ब्रांड एंबेसडर बनाने का प्रस्ताव भेजा था। इस प्रस्ताव पर धोनी ने सैद्धांतिक रूप से सहमति दे दी है। अब सरकार और पर्यटन विभाग इसे अंतिम रूप देने में जुटे हैं। बता दें कि महेंद्र सिंह धोनी देश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में एक जाना-पहचाना नाम हैं। ऐसे में उनके जुड़ने से झारखंड पर्यटन की ब्रांड वैल्यू काफी बढ़ने की उम्मीद है। सरकार का मानना है कि धोनी की लोकप्रियता से झारखंड के प्राकृतिक पर्यटन स्थल, झरने, पहाड़, जंगल और आदिवासी संस्कृति को व्यापक पहचान मिलेगी। योजना के तहत राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर एमएस धोनी के साथ वीडियो शूट किए जाएंगे। इन वीडियो को सोशल मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और अन्य प्रचार माध्यमों के जरिए देश और विदेश में दिखाया जाएगा। इससे झारखंड को एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी। रांची के निवासी होने के नाते महेंद्र सिंह धोनी का झारखंड पर्यटन का चेहरा बनना राज्यवासियों के लिए भी गर्व की बात मानी जा रही है।

वार्ड 25 से शबाना खातून ने सबसे पहले खरीदा नामांकन पत्र, सैकड़ों समर्थकों के साथ किया नामांकन

रांची: रांची नगर निगम चुनाव की सरगर्मियां अब तेज होने लगी हैं। ठंड के मौसम में भी चुनावी माहौल गर्म होता नजर आ रहा है। इसी क्रम में रांची नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 25 से प्रत्याशी शबाना खातुन ने सबसे पहले नामांकन पत्र खरीदकर और नामांकन कर चुनावी प्रक्रिया की शुरूआत की। वे इस चुनाव में नामांकन करने वाली पहली पार्षद प्रत्याशी बनीं।

नामांकन के दौरान शबाना खातून के समर्थन में वार्ड 25 कडरू क्षेत्र के सैकड़ों महिला-पुरुष अपने-अपने क्षेत्रों से समाहरणालय स्थित ए-ब्लॉक पहुंचे। समर्थकों में खासा उत्साह देखा गया।

शबाना खातून ने वार्ड 25 की समस्याओं पर बात करते हुए कहा कि क्षेत्र में कई बुनियादी समस्याएं हैं, जिनका समाधान पार्षद के माध्यम से होना चाहिए था, लेकिन अब तक नहीं हो सका। इसी कारण कडरू क्षेत्र सहित वार्ड के विभिन्न हिस्सों के लोगों ने उनसे संपर्क किया और पार्षद पद के लिए चुनाव लड़ने का आग्रह किया। लगातार बैठकों और विचार-विमर्श के बाद चुनाव मैदान में उतरने का निर्णय लिया गया। उन्होंने विश्वास जताया कि नामांकन के दौरान जिस तरह से सभी क्षेत्रों से लोगों का समर्थन मिला है, वह उनके लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा, जिस तरह लोग आज मेरे साथ खड़े हैं, मैं भी हमेशा उनके साथ खड़ी रहूंगी और वार्ड के विकास के लिए पूरी ईमानदारी से काम करूंगी।

वार्ड 11 से आलिया नाज ने सैकड़ों समर्थकों के साथ किया नामांकन

रांची: रांची नगर निगम चुनाव की सरगर्मियां अब तेज होने लगी हैं। ठंड के मौसम में भी चुनावी माहौल गर्म होता नजर आ रहा है। इसी क्रम में रांची नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 11 से प्रत्याशी आलिया नाज ने सबसे पहले नामांकन पत्र खरीदकर और नामांकन कर चुनावी प्रक्रिया की शुरूआत की। वे इस चुनाव में नामांकन करने वाली पहली पार्षद प्रत्याशी बनीं।

नामांकन के दौरान आलिया नाज के समर्थन में वार्ड 11 क्षेत्र के सैकड़ों महिला-पुरुष अपने-अपने क्षेत्रों से समाहरणालय स्थित ए-ब्लॉक पहुंचे। समर्थकों में खासा उत्साह देखा गया।

इस अवसर पर आलिया नाज ने कहा कि उन्होंने जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली से शिक्षा प्राप्त की है तथा ह्यूमन राइट्स में मास्टर डिग्री हासिल की है। उन्होंने बताया कि समाज सेवा उनके परिवार की परंपरा रही है और वे स्वयं लंबे समय से सामाजिक कार्यों से जुड़ी रही हैं। उन्होंने कहा कि यह सिलसिला आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

आलिया नाज ने वार्ड 11 की समस्याओं पर बात करते हुए कहा कि क्षेत्र में कई बुनियादी समस्याएं हैं, जिनका समाधान पार्षद के माध्यम से होना चाहिए था, लेकिन अब तक नहीं हो सका। इसी कारण लालपुर क्षेत्र सहित वार्ड के विभिन्न हिस्सों के लोगों ने उनसे संपर्क किया और पार्षद पद के लिए चुनाव लड़ने का आग्रह किया। लगातार बैठकों और विचार-विमर्श के बाद चुनाव मैदान में उतरने का निर्णय लिया गया।

उन्होंने विश्वास जताया कि नामांकन के दौरान जिस तरह से सभी क्षेत्रों से लोगों का समर्थन मिला है, वह उनके लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा, जिस तरह लोग आज मेरे साथ खड़े हैं, मैं भी हमेशा उनके साथ खड़ी रहूंगी और वार्ड के विकास के लिए पूरी ईमानदारी से काम करती रहूंगी।

जननायक समिति के संस्थापक सदस्य व पूर्व वार्ड पार्षद राजू प्रसाद कसेरा 2 फरवरी को करेंगे नामांकन ,4

चक्रधरपुर: भारतीय जनता पार्टी के वरीय नेता समाजिक कार्यों में अपनी सहभागिता के लिए पहचाने जाने वाले तथा जननायक समिति के संस्थापक सदस्य राजू प्रसाद कसेरा वार्ड संख्या 4 से चुनावी मैदान में उतर रहे हैं । इसी क्रम में उन्होंने 2 फरवरी को शुभचिन्तको, मित्रगणों के साथ अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। श्री कसेरा इससे पूर्व वार्ड पार्षद रह चुके हैं तथा उन्हें लोकप्रिय व्यक्ति के साथ साथ विकास कार्य करने वाले वार्ड पार्षद के रूप में पहचाना जाता है। श्री कसेरा अपने बेहतर और उत्कृष्ट कार्यो से अपनी दमदार पहचान रखते हैं तथा वार्ड संख्या 4 में भी वे काफी लोकप्रिय हैं। श्री कसेरा का स्पष्ट मानना है कि वार्ड संख्या 4 के मतदाताओं ने उन्हें हमेशा स्नेह, अपनत्व और सहयोग दिया है और वार्ड वासियों के इच्छानुरूप ही वे इस वार्ड से चुनावी मैदान में उतरे हैं।

आरीशान एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

गुणवत्तायुक्त शिक्षा के साथ-साथ बच्चों में संस्कार भी करें विकसित : इंदरजीत सिंह

मेट्रो रेज

रांची: आरीशान एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संचालित सिटी पब्लिक स्कूल, संत केएमसी पब्लिक स्कूल व लिटिल एंजेल्स हाई/ इंटर स्कूल का वार्षिक समारोह पुरस्कार वितरण समारोह शनिवार को लोयोला ट्रेनिंग सेंटर हॉल, (पुरुलिया रोड) रांची में आयोजित किया गया। इस अवसर पर नेशनल पावर लिफ्टिंग चैंपियन व एशियाई बेंच प्रेस चैंपियन इंद्रजीत सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि समारोह में शिरकत किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि आईएफए के डायरेक्टर मो. साबिर हुसैन, शहर के प्रतिष्ठित व्यवसायी आशीष भाटिया, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, झारखंड के अध्यक्ष राजेश सिन्हा सन्नी और सिटी पब्लिक स्कूल की सेवानिवृत शिक्षिका साफिया नाहिद मौजूद थे। समारोह को संबोधित करते हुए नेशनल पावर लिफ्टिंग चैंपियन इंद्रजीत सिंह ने कहा कि शिक्षा के

क्षेत्र में आरीशान एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा किए जा रहे कार्य सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और स्वच्छ समाज निर्माण के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है। शैक्षणिक विकास के साथ-साथ शिक्षकों को बच्चों में संस्कार विकसित करने की दिशा में भी प्रयासरत रहना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि राजेश सिंह सन्नी ने कहा कि स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र के लिए समाज का शिक्षित होना आवश्यक है। वहीं, शहर के प्रतिष्ठित व्यवसायी आशीष भाटिया ने स्कूली बच्चों को पढ़ाई के प्रति लगन और परिश्रम से लगे रहने की सलाह दी। सिटी पब्लिक स्कूल की सेवानिवृत शिक्षिका साफिया नाहिद ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में आरीशान एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्य काफी सराहनीय हैं। संस्था की ओर से संचालित स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण और संस्कार युक्त शिक्षा प्रदान किया जाना स्वागत योग्य कदम है। उन्होंने छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद में भी अग्रणी भूमिका निभाने की सलाह दी।

समारोह में स्कूल की प्राचार्या कहकशां मसूद द्वारा स्वागत भाषण दिया गया।

समारोह में स्कूली बच्चों द्वारा नृत्य-संगीत की प्रस्तुति ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं, स्कूल के छात्र -छात्राओं द्वारा नागपुरी, हरियाणवी, बंगाली, पंजाबी व गुजराती नृत्य-संगीत पूरे समारोह में आकर्षण का केंद्र बना रहा। समारोह के दौरान सुप्रसिद्ध कव्वाल द्वारा प्रस्तुत कव्वाली का दर्शकों ने खूब आनंद उठाया। समारोह में शान तलहा मसूद ने छात्रों का उत्साह वर्धन किया। मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों द्वारा स्कूली छात्रों व मैट्रिक की परीक्षा में शीर्ष स्थान लाने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार दिए गए। संस्था के निदेशक व शहर के जाने-माने समाजसेवी मसूद कच्छी ने शैक्षणिक विकास के क्षेत्र में संस्था द्वारा अब तक की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। श्री कच्छी ने कहा कि शिक्षा के बिना हम शिक्षित समाज की कल्पना नहीं कर सकते।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग

ई– अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सं0 :– RDSPL/SD/HZB/35/2025-26

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :

ग्रुप सं0	आईडेन्टीफिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	RDSPL/SD/HZB/35/2025-26	बरही	बरही प्रखण्ड अंतर्गत मलकोको पंचायत में बरसोती नदी पर पुल निर्माण।	7548600.00	151000.00	10000.00	09 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 06.02.2026
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 06.02.2026 से दिनांक 14.02.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय –16.02.2026 अपराह्न 5:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 9430154806
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाइट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग

PR 372042 Rural Development(25-26)#D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

रुपये की गिरावट को इतना हल्के में मत लीजिए

भारत और यूरोपीय संघ के बीच हाल में संपन्न मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को सरकार एक ऐतिहासिक आर्थिक उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत कर रही है। यह समझौता निःस्संदेह भारत के निर्यातकों के लिए नए अवसर पैदा करता है और दीर्घकाल में व्यापारिक संबंधों को मजबूती देने की क्षमता रखता है, किंतु इसी उत्सवधर्मी माहौल के बीच एक गंभीर आर्थिक संकेत डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये का निरंतर कमजोर होने को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है।

देखा जाए तो वर्ष 2013 में जहां एक डॉलर के मुकाबले रुपया लगभग 68 के स्तर पर था, वहीं जनवरी 2026 तक यह 92 (91.95 रुपये प्रति डॉलर) के करीब पहुंच चुका है। लगभग 35 प्रतिशत का यह अवमूल्यन विदेशी मुद्रा बाजार का आंकड़ा आज भारत की एक हकीकत है, जो साफ तौर पर कहता है कि ये स्थिति हमारी अर्थव्यवस्था की गहरी और संरचनात्मक कमजोरियों का दर्पण है। अब इस सच्चाई को न तो वैश्विक परिस्थितियों के बहाने ढंका जा सकता है और न ही मजबूत बुनियादी कारकों के दावों से खारिज किया जा सकता है। आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के बाद मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने रुपये की गिरावट को उभरते बाजारों की मुद्राओं की सामूहिक कमजोरी का हिस्सा बताया। बेशक; इसमें आंशिक सच्चाई है, वैश्विक स्तर पर डॉलर इंडेक्स 110 के आसपास बना हुआ है और अमेरिका की सख्त मौद्रिक नीति ने डॉलर को मजबूत किया है। किंतु सवाल यह है कि जब वैश्विक दबाव लगभग सभी उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर समान है तब भारत का रुपया अपेक्षाकृत अधिक दबाव में क्यों है? यहीं से घरेलू आर्थिक चूकों की ओर ध्?यान जाता है और इनकी जांच अनिवार्य हो जाती है। पिछले डेढ़ वर्षों में भारत की विदेशी मुद्रा स्थिति कमजोर हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 के पहले आठ महीनों में विदेशी मुद्रा भंडार करीब 40 अरब डॉलर घटकर लगभग 650 अरब डॉलर रह गया। इसी दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी तेज रही। अकेले जनवरी 2026 में लगभग 5 अरब डॉलर का पूंजी बहिर्गमन दर्ज किया गया, जिसका सीधा असर रुपये पर पड़ा। हालांकि यह भी सच है कि 16 जनवरी तक विदेशी मुद्रा भंडार 701.4 अरब डॉलर के स्तर को छू गया था, जिससे भारत लगभग 11 महीनों के आयात को कवर कर सकता है। यह भंडार देश के कुल बकाया विदेशी कर्ज के करीब 94 प्रतिशत के बराबर है और वैश्विक झटकों से निपटने के लिए एक मजबूत लिक्विडिटी बफर प्रदान करता है। पर साथ में यही भंडार भारत की आयात-निर्भर अर्थव्यवस्था की कमजोर नस को भी उजागर करता है। क?योंकि ये विदेशी मुद्रा जिस तेजी से आती हुई दिखती है, उतनी ही तेजी से अचानक निकासी करती हुई भी दिखी है। यानी कि इस पर भारत की अर्थव्यवस्था को अधिक भरोसा नहीं करना चाहिए। ऐसे ही यह भी एक तथ?य है कि वर्ष 2025 में भारत ने लगभग 800 टन सोने का आयात किया, जिस पर 60 अरब डॉलर से अधिक खर्च हुआ। कोयला, कच्चा तेल और उर्वरकों का आयात बिल भी लगातार बढ़ता गया। परिणामस्वरूप चालू खाते का घाटा (सीएडी) जीडीपी के 2.5 प्रतिशत तक पहुंच गया, जिसे किसी भी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए खतरे का संकेत माना जाता है।

सरकार निर्यात वृद्धि को रुपये की मजबूती का आधार बताती रही है। इसमें संदेह नहीं कि सेवा क्षेत्र का निर्यात प्रभावशाली रहा है। 2005 से 2024 के बीच भारत का सेवा निर्यात ढाई गुना बढ़ा और वैश्विक सेवाओं के निर्यात में उसकी हिस्सेदारी 4.3 प्रतिशत तक पहुंच गई। वित्त वर्ष 2025-26 में कुल निर्यात 825.3 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर रहा, जिसमें सेवाओं का योगदान 387.6 अरब डॉलर था। दूरसंचार उपकरणों, इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाइयों और ऑटोमोबाइल्स के निर्यात में भी वृद्धि हुई है। लेकिन इसके बावजूद वस्तु व्यापार में भारत भारी घाटे में बना हुआ है। मर्चेंडाइज ट्रेड डेफिसिट आज भी लगभग 200 अरब डॉलर के आसपास है। यही असंतुलन रुपये पर लगातार दबाव बनाए रखता है और सेवा निर्यात की सफलता इस सच्चाई को छिपा नहीं पाती।

अब बात भारत और यूरोपीय संघ के बीच एफटीए की गहराई से करते हैं, जिसके तहत 97 प्रतिशत भारतीय उत्पादों को यूरोपीय बाजार में प्राथमिकता मिलेगी और 70 प्रतिशत से अधिक वस्तुओं पर शून्य सीमा शुल्क लागू होगा। कपड़ा, चमड़ा, मसाले, गहने, समुद्री उत्पाद और श्रम-साध्य उद्योगों के लिए इसे एक बड़ा अवसर माना जा रहा है। सैद्धांतिक रूप से यह समझौता रुपये को मजबूती दे सकता है, किंतु वर्तमान हकीकत यह है कि यूरोपीय संघ के बाजार में भारतीय उत्पादों की हिस्सेदारी आज भी लगभग दो प्रतिशत के आसपास अटकी हुई है। इसका मुख्य कारण भारतीय विनिर्माण क्षेत्र की सीमित क्षमता और गुणवत्ता मानकों में कमजोरी है। जब तक यह समझौता पूरी तरह जमीनी स्तर पर प्रभावी होगा, तब तक रुपये के सामने नए संकट खड़े हो सकते हैं। यह भी समझने की जरूरत है कि आज भारत में मैन्युफैक्चरिंग का योगदान जीडीपी में लगभग 17 प्रतिशत है, जबकि चीन में यह 28 प्रतिशत और वियतनाम में लगभग 25 प्रतिशत है। स्पष्ट है कि बिना मजबूत विनिर्माण आधार के एफटीए जैसे समझौते भी रुपये को स्थायी मजबूती नहीं दे सकते। हालांकि भारत ने डॉलर पर निर्भरता कम करने और स्थानीय मुद्रा में व्यापार बढ़ाने के प्रयास किए हैं। रूस के साथ रुपये-रूबल में तेल व्यापार इसका उदाहरण है, लेकिन यह प्रयोग 10 अरब डॉलर के स्तर से आगे नहीं बढ़ सका। समस्या यह रही कि रूस के पास जमा हुए रुपयों के उपयोग का व्यावहारिक रास्ता नहीं निकल पाया।

आज भी भारत का लगभग 80 प्रतिशत विदेशी व्यापार डॉलर आधारित है और पेट्रोलियम व्यापार का 90 प्रतिशत हिस्सा डॉलर में होता है। रहक्रछ प्रणाली और अमेरिकी बॉन्ड बाजार डॉलर की बादशाहत को और मजबूत करते हैं। ऐसे में सवाल यह नहीं कि डॉलर को चुनौती देना कितना कठिन है, बल्कि यह है कि जब ब्राजील या इंडोनेशिया अपनी मुद्रा को अपेक्षाकृत स्थिर रख सकते हैं तो भारत क्यों नहीं? कहना होगा कि इसका उत्तर उत्पादकता, निर्यात संरचना और आयात निर्भरता में छिपा है। रुपये की कमजोरी का सीधा असर आम आदमी की जिंदगी पर पड़ता है। आयात महंगा होने से पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस, खाद्य तेल और उर्वरकों की कीमतें बढ़ती हैं। कई राज्यों में पेट्रोल की कीमतें 110 रुपये प्रति लीटर के पार जा चुकी हैं। उर्वरक सब्सिडी का बोझ बढ़ता है और अंततः इसका भार करदाताओं पर पड़ता है। साथ ही छोटे और मंझोले उद्योगों के लिए डॉलर में लिया गया कर्ज महंगा हो जाता है। ऐसे में यहां समझने वाली बात यह है कि किसी भी मुद्रा की मजबूती चालू खाते के संतुलन, उच्च उत्पादकता, विविधीकृत निर्यात और नियंत्रित आयात निर्भरता पर निर्भर करती है। भारत इन सभी मोर्चों पर अब भी अधूरा दिखता है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन के कहे अनुसार रुपये की कमजोरी को सिर्फ वैश्विक परिस्थितियों का परिणाम मान लेना आत्मसंतोष होगा। मैन्युफैक्चरिंग को जीडीपी के 25 प्रतिशत तक ले जाना, पीएलआई योजनाओं को वास्तविक उत्पादन में बदलना, गैर-डॉलर व्यापार को बढ़ावा देना, सोने और ऊर्जा आयात पर निर्भरता घटाना सही मायनों में ये सभी कदम भारत के लिए अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता हैं। अंतः हमें बिना किसी संकोच के यह स्वीकार करना चाहिए कि रुपया भारतवासियों के लिए सिर्फ एक मुद्रा नहीं है, यह भारत के आर्थिक आत्मविश्वास की कसौटी है।

भारत का निम्न मध्यम आय से उच्च मध्यम आय श्रेणी में अग्रसर होना

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत को निम्न आय श्रेणी से बाहर निकलकर निम्न मध्यम आय श्रेणी में पहुँचने में लगभग 60 वर्षों का समय लगा। वर्ष 1962 में भारत की प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय मात्र 90 अमेरिकी डॉलर थी, जो मिश्रित वार्षिक 5.3 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2007 में बढ़कर 910 अमेरिकी डॉलर हो गई। इसी वर्ष भारत को विश्व बैंक द्वारा औपचारिक रूप से निम्न मध्यम आय श्रेणी में शामिल किया गया।

प्रहलाद सबनानी

भारत आज अपने आर्थिक इतिहास के एक अत्यंत महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर चुका है। पिछले कुछ दशकों के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में जिस गति से परिवर्तन और विस्तार देखने को मिला है, उसने न केवल देश के आर्थिक ढांचे को सुदृढ़ किया है बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति को भी नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। यही कारण है कि आने वाले वर्षों में भारत के निम्न मध्यम आय श्रेणी से उच्च मध्यम आय श्रेणी में परिवर्तित होने की प्रबल संभावना व्यक्त की जा रही है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत को निम्न आय श्रेणी से बाहर निकलकर निम्न मध्यम आय श्रेणी में पहुँचने में लगभग 60 वर्षों का समय लगा। वर्ष 1962 में भारत की प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय मात्र 90 अमेरिकी डॉलर थी, जो मिश्रित वार्षिक 5.3 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2007 में बढ़कर 910 अमेरिकी डॉलर हो गई। इसी वर्ष भारत को विश्व बैंक द्वारा औपचारिक रूप से निम्न मध्यम आय श्रेणी में शामिल किया गया। यह परिवर्तन भारत की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव था, किंतु इसके पश्चात विकास की गति में जो तेजी आई, वह कहीं अधिक उल्लेखनीय सिद्ध हुई। यदि सकल घरेलू उत्पाद के आकार पर दृष्टि डालें, तो भारत को वर्ष 2007 में एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में लगभग छह दशक लगे। इसके पश्चात मात्र सात वर्षों में, अर्थात वर्ष 2014 तक भारत का सकल घरेलू उत्पाद बढ़कर दो लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया। इसके अगले सात वर्षों में, वर्ष 2021 तक यह तीन लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुँच गया। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि केवल चार वर्षों के भीतर वर्ष 2025 में भारत ने चार लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था का आंकड़ा भी पार कर लिया। विभिन्न आर्थिक आकलनों के अनुसार आगामी दो से तीन वर्षों में भारत का सकल घरेलू उत्पाद पाँच लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को भी पार कर सकता है।

प्रति व्यक्ति आय के संदर्भ में भी भारत की प्रगति इसी प्रवृत्ति को दर्शाती है। वर्ष 2009 में भारत को प्रति व्यक्ति आय के 1,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुँचने में 62 वर्षों का समय लगा था। किंतु इसके बाद केवल दस वर्षों अर्थात वर्ष 2019 में प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 2,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुँच गई। वर्तमान अनुमानों के अनुसार वर्ष 2026 तक भारत में प्रति व्यक्ति आय 3,000 अमेरिकी डॉलर और वर्ष 2030 तक 4,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर सकती है। इसी आधार पर यह संभावना व्यक्त की जा रही है कि वर्ष 2030 तक भारत निम्न मध्यम आय श्रेणी से निकल कर उच्च मध्यम आय श्रेणी में प्रवेश कर जाएगा, जिस श्रेणी में आज चीन और इंडोनेशिया जैसे देश शामिल हैं। विश्व बैंक द्वारा विश्व के देशों को प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय के आधार पर चार श्रेणियों में विभाजित किया जाता है, जिनमें निम्न आय, निम्न मध्यम आय, उच्च मध्यम आय और उच्च आय शामिल हैं। वर्तमान परिभाषा के अनुसार किसी देश को उच्च आय श्रेणी में शामिल होने के लिए उसकी प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय 13,926 अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार करनी आवश्यक होती है। भारत ने वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत को सकल घरेलू उत्पाद में औसतन 7.5 प्रतिशत की वार्षिक संयुक्त वृद्धि दर बनाए रखनी होगी। यह वृद्धि दर अव्यावहारिक नहीं मानी जा सकती क्योंकि पिछले 23 वर्षों के दौरान भारत की औसत वार्षिक आर्थिक वृद्धि दर 8.3 प्रतिशत रही है। इन तथ्यों से यह स्पष्ट होता है कि भारत आगामी कुछ वर्षों में ही प्रति व्यक्ति औसत आय 4,500 अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार करते हुए उच्च मध्यम आय श्रेणी में शामिल हो सकता है। इसके पश्चात वर्ष 2047 तक उच्च आय श्रेणी में प्रवेश करने के लिए भारत को प्रति व्यक्ति आय को लगभग 18,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुँचाना होगा। इसके लिए आगामी 23 वर्षों में प्रति व्यक्ति आय में लगभग 8.9 प्रतिशत की संयुक्त वार्षिक वृद्धि दर की आवश्यकता होगी। यदि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर ऐसी आर्थिक नीतियाँ बनाती हैं, जिनका लाभ समाज के सबसे गरीब और वंचित वर्ग तक सुनिश्चित रूप से पहुँचे तो यह लक्ष्य भी कठिन नहीं प्रतीत होता। वैश्विक स्तर पर यदि तुलना की जाए तो 139 विकासशील और उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से केवल छह देशों की अर्थव्यवस्थाएँ भारत की तुलना में अधिक तेज गति से विकास कर पाई हैं। इसके बावजूद विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में भारत आज भी सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। छोटे देशों के सकल घरेलू उत्पाद का आकार सीमित होने के कारण उनकी प्रतिशत वृद्धि दर अधिक दिखाई देती है, किंतु जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ता है, वैसे-वैसे उच्च वृद्धि दर बनाए रखना कठिन होता जाता है। इस संदर्भ में भारत की आर्थिक उपलब्धियाँ और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती हैं।

विश्व बैंक के आँकड़े यह भी दर्शाते हैं कि वर्ष 1990 में विश्व में निम्न आय श्रेणी के देशों की संख्या 51 थी, जो वर्ष 2024 तक घटकर 26 रह गई है। इसी प्रकार निम्न मध्यम आय श्रेणी के देशों की संख्या भी घटकर 50 रह गई है, जबकि उच्च मध्यम आय श्रेणी के देशों की संख्या बढ़कर 54 और उच्च आय श्रेणी के देशों की संख्या बढ़कर 87 हो गई है। यह परिवर्तन वैश्विक आर्थिक संरचना में हो रहे सकारात्मक बदलाव को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।चीन और गयाना जैसे देशों के उदाहरण इस प्रक्रिया को और अधिक स्पष्ट करते हैं। चीन वर्ष 1990 में मात्र 330 अमेरिकी डॉलर की प्रति व्यक्ति आय के साथ निम्न आय श्रेणी में था, किंतु वर्ष 2010 तक उसकी प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 4,410 अमेरिकी डॉलर हो गई और वह उच्च मध्यम आय श्रेणी में शामिल हो गया। इसी प्रकार गयाना जैसे छोटे देश ने भी कुछ ही दशकों में निम्न आय श्रेणी से निकलकर उच्च आय श्रेणी में स्थान बना लिया। इन उदाहरणों से यह सिद्ध होता है कि यदि उपयुक्त आर्थिक नीतियाँ, संसाधनों का सही उपयोग और राजनीतिक इच्छाशक्ति मौजूद हो तो तीव्र आर्थिक परिवर्तन संभव है। आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और अगले दो से तीन वर्षों में इसके तीसरे स्थान पर पहुँचने की पूरी संभावना है। अनुमान है कि वर्ष 2027-28 तक भारत की अर्थव्यवस्था पाँच लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और वर्ष 2035-36 तक दस लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर सकती है।

इस संपूर्ण विकास यात्रा में समाज की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा समाज को दिए गए पंच परिवर्तन कार्यक्रम, जिसमें नागरिक कर्तव्यों का पालन, स्वदेशी और आत्मनिर्भरता, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण तथा कुटुम्ब प्रबोधन जैसे विषय शामिल हैं, यदि व्यापक स्तर पर अपनाए जाएँ तो भारत के आर्थिक और सामाजिक विकास को नई दिशा मिल सकती है। जब समाज, सरकार और संस्थाएँ एकजुट होकर कार्य करती हैं, तभी किसी राष्ट्र का समग्र और संतुलित विकास संभव हो पाता है।

(लेखक, आर्थिक मामलों के विशेषज्ञ एवं स्तम्भकार हैं।)

भूल से भी न करें कोई भूल, सारा समाज हमारा अपना है

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, यूजीसी द्वारा देश के सरकारी व निजी विश्वविद्यालयों मे जातिवादी घटनाओं को रोकने के लिए जो नये नियम लागू किये गये है, जिससे सामाजिक तनाव का वातावरण पैदा हो गया है। ऐसे वर्तमान हालात के मद्देनजर रखते हुये सुप्रीम कोर्ट का यूजीसी के नये नियम पर रोक लगाने का आज का फैसला उचित।

कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल

हमारा देश इसीलिए महान है क्योंकि यहां भिन्न-भिन्न विचारधाराएं हैं। लेकिन जब बात राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता की आती है तो समूचा समाज एकजुट होता है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमारी मायावती का ये संदेश देखिए- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, यूजीसी द्वारा देश के सरकारी व निजी विश्वविद्यालयों मे जातिवादी घटनाओं को रोकने के लिए जो नये नियम लागू किये गये है, जिससे सामाजिक तनाव का वातावरण पैदा हो गया है। ऐसे वर्तमान हालात के मद्देनजर रखते हुये सुप्रीम कोर्ट का यूजीसी के नये नियम पर रोक लगाने का आज का फैसला उचित। जबकि देश में इस मामले में सामाजिक तनाव आदि का वातावरण पैदा ही नहीं होता, अगर यूजीसी नये नियम को लागू करने से पहले सभी पक्ष को विश्वास में ले लेती और जांच कमेटी आदि में भी अपर कास्ट समाज को नेचुरल जस्टिस के अन्तर्गत उचित प्रतिनिधित्व दे देती। वास्तव में ये भावना ही हमारे भारतीय समाज को एक करती है। मायावती वो नेता हैं जो सामाजिक न्याय के नाम पर राजनीति में आईं। एक समय तक उनके कटु, तीक्ष्ण बयान भी सुने गए। लेकिन वो अपने तरह की राजनीति है। समाज ने उसे भी स्वीकारा। वो सत्ता के शीर्ष पर भी रहीं। किंतु दूसरी ओर अनुच्छेद 370 के हटाने से लेकर, श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, ऑपरेशन सिंदूर और अब 'यूजीसी विवाद'- इन सबमें में राष्ट्रीयता के स्वर को मुखरता से रखा है। क्योंकि वो जानती हैं कि देश प्रथम की भावना के साथ ही समाज चल सकता है। राजनीति अपनी जगह है। सत्ता अपनी जगह है लेकिन सबसे श्रेष्ठ होती है राष्ट्रीय एकता। मायावती जी ने उसी भाव और प्रतिबद्धता को बारंबार समाज के बीच प्रकट किया है। यही हमारे देश की सुंदरता है। वहीं, सर्वोच्च नियामक संस्था सुप्रीम कोर्ट बारंबार ये बताता है कि संविधान निमार्ताओं की दृष्टि का पालन हर किसी को करना पड़ेगा। उन लोगों से बारंबार निवेदन है जो सुप्रीम कोर्ट के यूजीसी गाइडलाइन को लेकर दिए गए निर्णय को अपने-अपने चश्मे से देख रहे हैं। यूजीसी की गाइडलाइन का 'जातीय चश्मे' से समर्थन और विरोध करने वालों से निवेदन है कि कृपया इसे अहं का विषय न बनाएं। ये न तो किसी जाति या वर्ग की जीत है और न किसी की हार। सुप्रीम कोर्ट का निर्णय 'सत्यमेव जयते' के ध्येय वाक्य पर आधारित है। ये समूचा समाज हमारा अपना है। किसी के साथ कोई भेदभाव स्वीकार नहीं किया जा सकता। जो व्यक्ति, दल या नेता- 'आरक्षित और अनारक्षित वर्ग' के नाम पर विद्वेष और विभाजन फैलाए, उन्हें पहली फुर्सत में हमें और आपको ही नकारना होगा। आप और हम ये समझें कि जहां भी सामाजिक विभाजन की बात आएगी। अलगाव की बात आएगी। हम सब हर उस व्यक्ति और विचार के खिलाफ खड़े होंगे। जो हमारी एकता को तोड़ना चाहते हैं। ये हमारा प्रथम कर्तव्य है। यूजीसी की नई गाइडलाइन का विरोध इसीलिए है क्योंकि ये संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। ये गाइडलाइन सामाजिक समरसता को तोड़ने वाली और वर्ग के आधार पर विभाजन फैलाने वाली थी।? सुप्रीम कोर्ट के यूजीसी की नई गाइडलाइन पर अभी लगाए गए स्टे और टिप्पणी ने ये बताया है कि कोई भी नियम, कानून, दिशा-निर्देश सामाजिक एकता, सुरक्षा और भेदभाव दूर करने के लिए लाए जाते हैं, न कि विभाजन फैलाने के लिए। अशांति और उपद्रव के फैलाने के लिए। जाति या वर्ग के नाम पर जो लोग उन्माद फैला रहे हैं। एक-दूसरे को अगर जाने-अनजाने किसी भी रुप में आहत कर रहे हैं तो कृपया ये न करें। क्योंकि अगर हम अपनी जातीय पहचान और जातीय दंभ के नाम पर समाज को बांटेंगे तो ये देश को और समाज को बांटने वाला होगा। सही का साथ, गलत का विरोध करना ही चाहिए। दूषित राजनीति, स्वार्थी तत्व और भारत विरोधी गैंग तैयार बैठी है कि कब हम और आप कोई चूक करें। फिर वो देश में अशांति और वैमनस्य फैलाने में जुट जाएं। सुप्रीम कोर्ट के ताजा निर्णय के बाद से एक गैंग सक्रिय हो गई है। टूलकिट शुरू हो गई है कि जातीय आधार पर लोगों की भावनाओं को हवा दी जाए। किसी को बड़ा और किसी को छोटा बनाने की पुरजोर कोशिशें जारी हो गई हैं। लच्छेदार शब्दों, इमोशनल ढंग से संवैधानिक संस्थाओं को कठघरे में खड़ा करने का अभियान भी बड़ी चतुराई से शुरू हो चुका है। क्योंकि वो ये चाहते हैं कि विभाजन की चिंगारी से समाज को झुलसने के लिए छोड़ दिया जाए। अतएव सावधानी और सतर्कता रखिए।

ये समय 'शब्दों और बौद्धिक युद्ध' का है। देश और समाज के शत्रु घात लगाए बैठे हैं कि कब आपको उद्वेलित किया जाए। कब जातिगत आधार पर समाज को निशाना बनाया जाए। एक-दूसरे को नीचा दिखाने के लिए सोशल मीडिया में कंटेट भी खूब सकुर्लेट किए जा रहे हैं। हम सबकी जो शाश्वत पहचान भारतीय होने की है। हिन्दू होने की है। उसे कमतर दिखाने और जातीय पहचान को बड़ा दिखाने का अभियान भी शातिर बदमाश शुरू कर चुके हैं। युवाओं से विशेष निवेदन है कि धैर्य के साथ काम करें। आपका समर्थन और विरोध अपनी जगह हो सकता है। आक्रोश और उत्साह अपनी जगह है। लेकिन हम कहीं भी कोई ऐसी बात न कहें, न लिखें, न किसी की ऐसी बात सुनें जो किसी भी प्रकार के विभाजन को हवा देने वाली हो। क्योंकि स्वार्थी राजनीति, विभाजन फैलाने वाले लोग हमें आपस में लड़ा देंगे। इसमें उनके स्वार्थ होंगे। उसमें वो कामयाब हो जाएंगे। लेकिन समाज में अगर भेदभाव या जातीय विभाजन की खाई बनी तो उसे पाटने में न जाने कितना समय लग जाएगा। इससे व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की हानि होनी तय है। क्या हम ये स्वीकार करेंगे? संपूर्ण हिन्दू समाज हमारा अपना समाज है। संविधान और कानून की परिभाषा में हम - रळ/ रउ/ डइउ/ ऋएठएफ अछ/ एहर – आदि की कैटेगरी में गिने जा सकते हैं। हमारी अलग-अलग जातीय पहचानें हो सकती हैं। लेकिन हम ये याद रखें कि हम सबकी एक विराट पहचान हिन्दू होने की है। ये पहचान राष्ट्र के प्रति उत्तरदायी हिन्दू होने की है। हमारे बीच में सहमतियां-असहमतियां हो सकती हैं। हम अपनी समस्याओं के हल अपने बीच मिल, बैठकर निकालेंगे। लेकिन कभी भी विचलित नहीं होंगे। उत्तेजना में भेदभाव या विभाजन की बातें नहीं आने देंगे। चाहे ये बात यूजीसी प्रकरण की हो या दूसरी बातों की। हम ये ध्यान रखें कि सामाजिक समस्याओं का हल कोई भी सरकार और प्रशासन नहीं ला सकते हैं। समाज की समस्याओं का हल समाज को ही खोजना पड़ेगा। हम सब भारत माता की संतानें हैं, ये कभी न भूलें। हम ये ध्यान रखें कि अगर हम संगठित हैं, सशक्त हैं तो हमारा राष्ट्र सशक्त और सर्वसमर्थ है। अब तय हमें करना है कि हम देश और समाज को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

देवी दर्शन से चंद्रमा ने पाया मुक्ति का आशीर्वाद

हिमालय की गोद में बसा रुद्रप्रयाग जनपद का रांसी गांव न केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। बल्कि यह धार्मिक और पौराणिक दृष्टि से भी खास महत्व रखता है। यह मध्यमहेश्वर धाम का मुख्य आधार स्थल है।

रांसी गांव, देश के एकमात्र राकेश्वरी देवी मंदिर के कारण श्रद्धालुओं के लिए विशेष पहचान रखता है। यह मध्यमहेश्वर घाटी के ग्रामीणों की आराध्य देवी हैं। राकेश्वरी को गढ़वाल राजाओं की कुलदेवी भी माना जाता है और यह चंद्र कल्याणी भगवती राकेश्वरी की तपस्थली है।

पौराणिक महत्व

ऐसी मान्यता है कि यही वह स्थान है। जहां चंद्रमा को देवताओं के गुरु बृहस्पति के श्राप से मुक्ति मिली थी। दरअसल चंद्रमा, बृहस्पति के श्राप से श्रापित हो गए थे, जिससे चन्द्रमा का शरीर कुष्ठ रोग से ग्रस्त हो गया। चन्द्रमां इस श्राप से मुक्ति पाने के लिए भगवान शिव के पास गये। भगवान शिव ने उनको हिमालय के इस स्थान पर भेजा। जहां देवी का स्थान था। चन्द्रमा ने कई वर्षों तक इस स्थान पर देवी की स्तुति की। देवी ने प्रसन्न होकर चन्द्रमा को दर्शन दिए। देवी के दर्शन से चन्द्र मां रोग मुक्त हो गए।

केदारनाथ और मध्य महेश्वर के वरिष्ठ पुजारी बताते हैं कि इस स्थान पर चंद्रमा ने मां जगदंबा का कई सालों तक तप और ध्यान किया। यहां से प्रेरणा लेकर वो सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए गए।

औषधीय घास

राकेश्वरी मंदिर परिसर में एक औषधीय गुणों से भरपूर और देवी शक्ति से परिपूर्ण प्राकृतिक घास है। इस घास को ना तो कोई काटता है और ना हथियार लगाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस घास में औषधीय तत्व हैं। जिससे रोगी का कुष्ठ रोग दूर हो जाता है। जनश्रुति है कि पूर्णिमा के दिन यदि कुष्ठ रोग से ग्रसित व्यक्ति गाय की तरह इस घास को चबा चबा कर खाए तो वह कुष्ठ रोग से मुक्त हो जाता है।

एकसाथ पूजा

यहां के पुजारी बताते हैं कि जब मध्यमहेश्वर मंदिर के कपाट ग्रीष्म काल के लिए खुलते और शीतकाल के लिए बंद होते हैं। उस दिन राकेश्वरी मंदिर में मध्यमहेश्वर और राकेश्वरी देवी दोनों की एक साथ पूजा की जाती है। यह पूजा मध्यमहेश्वर मंदिर के मुख्य पुजारी द्वारा की जाती है। यह क्षेत्र मुक्ति प्रदान करने वाला है। इसलिए रांसी स्थित मंदिर में राकेश्वरी देवी के दर्शन का अपना अलग महत्व है।

वास्तुकला

राकेश्वरी मंदिर पत्थरों के चबूतरे पर तरासे हुए पाषाण खण्डों से बना है। मंदिर दो भागों से बना है। सभा मण्डप और गर्भगृह। गर्भगृह में काले पत्थर पर भगवान शिव व पार्वती की मूर्ति उकेरी गई है। मंदिर में अष्टधातु की चार मूर्तियां हैं। इन चारों मूर्तियों की अलग-अलग रूपों में पृथक-पृथक पूजा की जाती हैं। मंदिर के गर्भगृह में देववृक्ष से निर्मित काष्ठ पर मूर्तियों को सजाकर रखा गया है।

मंदिर तक मार्ग

यह मंदिर मध्यमहेश्वर धाम जाने वाले मार्ग में स्थित है। रुद्रप्रयाग से ऊखीमठ, मनसूना होते हुए सड़क मार्ग से रांसी स्थित राकेश्वरी मंदिर पहुंचा जाता है।

टिप्स

ताजी मटर को छीलने के बाद हफ्ते-भर तक फ्रेश कैसे रखें?

खासतौर पर सर्दियों में ताजी मटर खाने का स्वाद बड़ा ही टेस्टी होता है, लेकिन इसको छीलना भी थका देने वाला काम है। कई बार होता है कि हम सभी समय बचाने के लिए एक साथ बहुत सारी मटर छील कर रख देते हैं, लेकिन समस्या तब आती है जब एक-दो बाद ही वे सूखने या उनमें अंकुर भी निकलने लगते हैं। यदि गलती से इन्हें एक-दो के लिए छोड़ दिया जाए, तो यह खराब होने लगते है। मटर की मिठास और ताजगी बरकरार रखने के लिए इसे सही तरीके से स्टोर करना काफी जरुरी है। यदि आप मटर को नमी और हवा से बचाकर रखा जाए, तो वह लंबे समय तक नरम बनी रहती हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान घरेलू तरीकों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे अपनाकर आप छिली हुई मटर को हफ्ते-भर तक फ्रेश स्टोर कर सकती हैं।

मटर को स्टोर करने का बेस्ट तरीका क्या है?

मटर को फ्रेश बनाए रखने के लिए सबसे आसान तरीका है एयरटाइट कंटेनर या जिप-लॉक बैग का यूज कर सकते हैं। इसके लिए मटर छीलने के बाद, उन्हें धोएं नहीं। यदि आप ऐसा करती हैं, नमी के कारण ये जल्दी खराब हो सकती हैं। यदि आप मटर को धो चुकी हैं, तो आप एक सूती कपड़े पर फैलाकर पूरी तरह सुखा लें। इसके बाद इसमें एक एयर टाइट डिब्बे में नीचे टिश्यू पेपर बिछाएं, मटर डालें और ऊपर से भी एक टिश्यू पेपर रखकर ढक्कन बंद कर दें।

मटर को स्टोर करने के लिए अपनाएं तेल वाला नुस्खा

अगर आप चाहते हैं कि आपकी हरी मटर बिल्कुल भी न सूखे, तो एक चम्मच सरसों के तेल या रिफाइंड का यूज कर सकती हैं। इसके लिए छिली हुई मटर को एक बर्तन में निकालें और उन पर आधा छोटा चम्मच तेल डालकर अच्छी तरह से मिला लें। तेल की पतली परत मटर के ऊपर एक लेयर बनाता है, जिससे मटर की नमी बाहर नहीं निकलती और वे सिकुड़ती नहीं हैं। तेल लगाने के बाद मटर को किसी साधारण पॉलीथीन या डिब्बे में भरकर फ्रिज में रख सकते हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in** **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

उपायुक्त हेमंत सती ने जिला स्तरीय कृषि मेला का उद्घाटन, कहा-

यह मेला केवल एक प्रदर्शनी नहीं बल्कि संबंधित विभागों की योजनाओं और तकनीकों से परिचित होने का मंच है

संवाददाता

साहिबगंज : संयुक्त जिला कृषि भवन परिसर, साहिबगंज में आयोजित जिला स्तरीय कृषि मेलाझसह फल एवं सब्जी प्रदर्शनी 2025झ26 का विधिवत उद्घाटन उपायुक्त साहिबगंज, हेमंत सती ने किया। उद्घाटन समारोह में जिले के दूर-दूर से आए किसान, महिला किसान प्रेस व मीडिया प्रतिनिधि, एनजीओ और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उपायुक्त साहिबगंज श्री हेमंत सती ने अपने संबोधन में कहा कि यह मेला केवल एक प्रदर्शनी नहीं है, बल्कि यह किसानों को कृषि, उद्यान, भूमि संरक्षण, मत्स्य, पशुपालन, और अन्य संबंधित विभागों की योजनाओं और नवीनतम तकनीकों से परिचित कराने का मंच है। उन्होंने बताया कि इस बार मेला इस तरह आयोजित किया गया है कि सभी विभागों की योजनाएँ और गतिविधियाँ एक ही स्थान पर किसानों तक पहुँचें और उनका अधिकतम लाभ सुनिश्चित हो।उन्होंने यह भी साझा किया कि पि।ले वर्षों के मुकाबले इस बार मेले में महिला किसानों की भागीदारी अधिक रही है, जो कृषि के क्षेत्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी का स्पष्ट संकेत है।उपायुक्त साहिबगंज ने किसानों को प्रेरित करते हुए कहा कि सरकार की योजनाएँ—बीज, खाद, सिंचाई, कृषि यंत्र, पशुपालन, उपज खरीद और अनुदान सभी किसानों के लिए उपलब्ध हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे मेले में लगे सभी स्टॉलों का अवलोकन करें, योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करें और उनके लिए लाभकारी योजनाओं का आवेदन करें।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि केवल पौधा देखने तक सीमित न रहकर, किसान नई तकनीक और विभागीय योजनाओं का ज्ञान लेकर जाएँ, ताकि उनकी कृषि गतिविधियाँ और आय बढ़ सके। उपायुक्त साहिबगंज ने उपस्थित किसानों से आग्रह किया कि कल भी अधिक से अधिक किसान आएँ और अपने साथ अन्य किसानों को भी लाएँ, जिससे जागरूकता और लाभ का दायरा बढ़े।यह मेला 31 जनवरी 2026 को भी जारी रहेगा। सभी किसान भाई-बहन अधिक से अधिक संख्या में आएँ और इसका पूरा लाभ उठाएँ।

गंगा नदी के किनारे से बड़े पैमाने पर हो रहे मिट्टी के उत्खनन को लेकर ग्रामीणों का विरोध प्रदर्शन

संवाददाता

साहिबगंज : राधानगर थाना क्षेत्र के दक्षिणी बेगमगंज गांव के स्थानीय सैकड़ों लोगों ने गंगा किनारे से हो रहे अवैध मिट्टी उत्खनन व परिवहन पर रोक लगाने की मांग को लेकर शुक्रवार को माजेदटोला बड़ा पुल के पास विरोध प्रदर्शन किया है।विरोध प्रदर्शन कर रहे फारुख मोहम्मद शेख,सामजद शेख,कौशर आलम मुजम्मिल शेख,शमसेर शेख,अहमद रेजा,आलमगीर शेख,नूर अलम शेख,जब्बार शेख,इमादुर शेख जाल्ली शेख अफसर शेख यासीन शेख सहित अन्य लोगों का कहना है कि थाना क्षेत्र के श्रीधर दियारा पंचायत के 10 नंबर कालोनी के दक्षिण पूर्व दिशा -एंव दोगा।ी में गंगा नदी के किनारे से बड़े पैमाने पर अवैध रूप से मिट्टी उत्खनन किया जा रहा है.इस धंधे में मिट्टी उत्खनन करने में प्रतिदिन 150 से 200 ट्रैक्टर लगे रहते हैं।जहां सड़कों पर मिट्टी लदा ट्रैक्टर-ट्रॉली के दौड़ने से काफी धूल उड़ती है,जिससे स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है।ट्रैक्टर के परिचालन से आवागमन बाधित हो गया है।बच्चों को स्कूल आने-जाने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है।सड़कों पर दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है।ट्रैक्टर ओवरलोडेड होने के कारण उड़ती धूल से जहां फसलों को नुकसान हो रहा है तो वहीं पर्यावरण भी प्रदूषित हो रहा है।मिट्टी उत्खनन से गंगा किनारे उपजाऊ भूमि भी बर्बाद हो रही है।साथ ही दियारा क्षेत्र के नदी किनारे जमीन का भौगोलिक बनावट को भी प्रभावित कर रहा है.इसके अलावा मिट्टी की अवैध उत्खनन करने से झारखंड सरकार को सालाना लाखों रूपए का राजस्व का भी नुकसान हो रहा है।वहीं सड़क पर ट्रैक्टर ट्राली के अंधाधुंध चलने के कारण समय से पहले सड़क जर्जर होकर गड्ढे में तब्दील हो जाते हैं,जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ता है।इसी तरह मिट्टी उत्खनन किया जाए तो भविष्य में और जान मार की क्षति पहुंच सकती है। 5 मार्च 2025 को सड़क पर ओवरलोडेड मिट्टी लदा ट्रैक्टर के चपेट में आने से एक मासूम बच्ची की जान चली गई।ग्रामीणों ने अवैध मिट्टी उत्खनन पर रोक लगाने की मांग की है. साथ ही इस धंधे में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है.जिसको लेकर क्षेत्र में आक्रोश है।

क्या कहते हैं अंचलाधिकारी उधवा

इस संबंध में उधवा बीडीओ सह सीओ जयंत कुमार तिवारी से पू। जाने पर बताया कि गंगा किनारे से मिट्टी का अवैध उत्खनन व परिवहन रोक लगाई जायेगी एवं संलिप्त लोगों के विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मिट्टी अवैध उत्खनन व परिवहन कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय है क्षेत्रीय निदेशक

संवाददाता

दुमका: संताल परगना महाविद्यालय दुमका में संचालित इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) अध्ययन केंद्र (3604) द्वारा इग्नू में जनवरी सत्र 2026 में नामांकन के लिए शुक्रवार को प्रमोशनल बैठक आयोजित किया गया। यह बैठक एस.पी. कॉलेज दुमका के बीएड विभाग, आदिवासी महिला कल्याण छात्रावास, एससी एसटी एवं अल्पसंख्यक छात्रावासों में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में इग्नू क्षेत्रीय केंद्र देवघर के क्षेत्रीय निदेशक अरविंद मनोज कुमार सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत समन्वयक प्रो.पूनम बिंझा ने बैठक में उपस्थित क्षेत्रीय निदेशक के अभिवादन से किया एवं बैठक पर उपस्थित बी. एड विभाग के शिक्षकों तथा छात्र- छात्राओं को इग्नू प्रमोशन कार्यक्रम के उद्देश्य से अवगत कराया। इस दौरान इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक ने कहा कि इग्नू एक अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय है। यह जन जन का विश्वविद्यालय है जहां करीब 30 लाख से भी अधिक शिक्षार्थी ज्ञान प्राप्त कर रहें हैं। उन्होने छात्रों को संबोधित करते हुए इग्नू में उपलब्ध विभिन्न पाठ्यक्रमों, पात्रता मानदंडों, नामांकन प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होने विशेष रूप से इग्नू की उपयोगिता और लचिलापन के बारे में बताया। साथ ही बताया की विद्यार्थी यूजीसी प्रोविजन के अनुसार दो कोर्स एक साथ कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि नियमित कोर्स के छात्र सीडीएम, सीईएस, सीटीई, सीएफएन, सीएनसीसी, सीएचआर, सीआरडी, सीआईजी., सीयूएल, सीएचसीडब्लूएम, सीटीपीएम, तथा पीजीडीआरडी., पीजीडीईटी, पीजीडीएचई, पीजीडीएसएलएम, पीजीजेएमसी., डीईसीई, डीएएफई, डीडब्ल्यूईडी., साथ साथ इग्नू से कर सकते हैं। विभिन्न विषयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कोर्स इग्नू में उपलब्ध है। उन्होंने छात्रों को रोजगार उन्मुख कोर्सो के बारे में भी विस्तार से बताया। एससी एवं एसटी छात्रों के लिए बीए., बीएससी. और बीकॉम के सामान्य कोर्सो में फीस में 50 प्रतिशत की छूट है। छात्र अपने सुविधानुसार अध्ययन केंद्र और परीक्षा केंद्र का चयन कर सकते हैं। इस अवसर पर समन्वयक प्रो. पूनम बिंझा ने कहा कि इग्नू में नामांकन तथा पुनःपंजीकरण की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2026 है। एस पी कॉलेज अध्ययन केंद्र शिक्षार्थियों के लिए प्रत्येक सत्र के लिए ऑफलाइन एवं ऑनलाइन परामर्श क्लास की व्यवस्था की जाती है। इस कार्यक्रम में एस.पी. कॉलेज के बी.एड. विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. बसंती सोरेन, डॉ.स्नेहलता खलखो, डॉ.रेबेका सोरेन, डॉ.देबासीष मण्डल, डॉ. अनुजा कुमारी एवं काफी संख्या में शिक्षार्थी उपस्थित थे। अंत में सहायक समन्वयक प्रो प्रतिभा टूडु ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और प्रमोशन बैठक कार्यक्रम की समाप्ति की गई।

मॉडल कॉलेज राजमहल में सड़क सुरक्षा शपथ कार्यक्रम

संवाददाता

साहिबगंज/राजमहल: मॉडल कॉलेज राजमहल, साहिबगंज में प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह के निर्देशन में दिनांक 29 जनवरी को सड़क सुरक्षा को लेकर एक जागरूकता कार्यक्रम सह शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में सैकड़ों छात्र छात्राओं ने सामूहिक रूप से भाग लेते हुए सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की शपथ ली।कार्यक्रम के दौरान शपथ सहायक प्राध्यापक डॉ. रमजान अली द्वारा दिलाई गई।जिसमें विद्यार्थियों ने वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट के प्रयोग यातायात नियमों के पालन तेज गति से वाहन न चलाने तथा स्वयं सुरक्षित रहते हुए दूसरों को भी सुरक्षित रखने का संकल्प लिया। प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए कहा कि जीवन अनमोल है और इसकी रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है। सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करके हम न केवल स्वयं की रक्षा कर सकते हैं, बल्कि समाज में भी जिम्मेदार नागरिक होने का उदाहरण प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे रोजमर्रा के जीवन में इन नियमों को अपनाएँ और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकगण एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे और उन्होंने भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने की शपथ ली। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में यातायात नियमों के प्रति सजगता बढ़ाना तथा दुर्घटनाओं को कम करने में सकारात्मक भूमिका निभाने का संदेश देना रहा।

गुरु रविदास जी महाराज जन्मोत्सव पर शोभा यात्रा कल

संवाददाता

साहिबगंजः गुरु रविदास जी महाराज की 649 वी जयंती के उपलक्ष में प्रातः 11:00 बजे दिन रविवार को ग्राम रसूलपुर दहला से गर्ल्स हाई स्कूल गांधी चौक स्टेशन होते हुए साक्षरता चौक से सब्जी मंडी होते हुए पुनः वापस रसूलपुर दहला होगी। इसकी जानकारी कार्यक्रम संचालक आदित्य नारायण ने दी।

वार्ड 20 की पूर्व वार्ड पार्षद दीपा देवी ने फिर किया नामांकन

संवाददाता

साहिबगंज:नगर निकाय चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो चुकी है। सभी पदों के प्रत्याशी नामांकन पर्चा लेकर नामांकन की तैयारी में जुड़ चुके हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को वार्ड नंबर 20 की पूर्व वार्ड पार्षद दीपा देवी ने एक बार फिर वार्ड पार्षद पद के लिए अनुमंडल कार्यालय में निवार्ची पदाधिकारी सह सदर प्रखंड विकास पदाधिकारी बासुकीनाथ टुडू के समक्ष नामांकन किया।नामांकन के बाद दीपा देवी ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में वार्ड में ढेर सारा काम किया है और अब जीतने के बाद अधूरा काम पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि वार्ड की जनता उन पर भरोसा जता रही है।सभी लोगों ने एकजुट होकर उन्हें एक बार फिर वार्ड पार्षद के पद पर भाग्य आजमाने के लिए भरोसा दिलाया है।अपने वार्ड की जनता के इसी भरोसे पर एक बार फिर वार्ड पार्षद के लिए नामांकन भरा है। उन्होंने कहा कि जीतने के बाद जनता के इस भरोसे पर खरे उतरने का पूरा प्रयास करेंगी।इस मौके पर मोहम्मद नोमानी,जोगनी देवी,मुन्नी देवी,बेबी देवी,रेशमी देवी,सावित्री देवी,प्रिया देवी,सुनीता देवी,चंद्रावती देवी,ममता कुमारी,विशाल कुमार

कांग्रेस नेताओं - कार्यकर्ताओं ने मौन रखकर बापू को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा:राजमहल रोड स्थित बसीर गैराज परिसर में अवस्थित प्रखंड कांग्रेस कार्यालय,बरहरवा में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि श्रद्धा सम्मान और सादगी के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष रंजीत टुडू ने की।इस अवसर पर सर्वप्रथम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। उपस्थित कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन रखकर बापू को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।सभी ने बापू के आदर्शों सत्य अहिंसा त्याग और सामाजिक न्याय को स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया।इस अवसर पर प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू ने महात्मा गांधी के जीवन और विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ह्लमहात्मा गांधी केवल एक व्यक्ति नहीं,बल्कि एक विचारधारा थे।उन्होंने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर देश को स्वतंत्रता दिलाई।उनका जीवन हमें सिखाता है कि बिना हिंसा के भी बड़े से बड़ा परिवर्तन संभव है। उन्होंने कहा की समय में बापू के सिद्धांत पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हैं।समाज में बढ़ती हिंसा,नफरत और असमानता के बीच गांधी जी के विचार हमें प्रेम,भाईचारे और सामाजिक समरसता का मार्ग दिखाते हैं। श्री टुडू ने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव महात्मा गांधी के विचारों पर चलते हुए देश के अंतिम व्यक्ति तक न्याय,अधिकार और सम्मान पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध रही है।उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे बापू के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं और समाज सेवा को अपना लक्ष्य बनाएं।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वे महात्मा गांधी के दिखाए मार्ग पर चलकर समाज में शांति,सद्भाव और समानता की स्थापना के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू,वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मो.नसीरुद्दीन,भोला महतो,शाहनवाज नसीर,अश्वनी आनंद,निताय सरकार,नेहाल अख्तर, संतोष राम,अहमद,राजू,बिष्णु मॉल,आलमगीर सहित अनेक वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

न्यूज IN ब्रीफ

14 दिवसीय सॉफ्ट ट्वॉयज प्रशिक्षण कार्यक्रम

साहिबगंज:भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्व रोजगार प्रशिक्षण संस्थान साहिबगंज के माध्यम से 14 दिवसीय सॉफ्ट ट्वॉयज प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन आसेटी निदेशक प्रदीप कुमार झा दीपक आजीविका सखी मंडल के डीएम जॉब्स एंड स्किल राजेन्द्र कुमार आजीविका लाइवलीहुड अनुरुद्ध कुमार ने सभी प्रशिक्षुओ को प्रमाण पत्र देकर उनके उज्जवल भविष्य का कामना किए।मौके पर आसेटी प्रशिक्षक राजहंस कुमार और उपेन्द्र गोप उपस्थित थे इस कार्यक्रम में आजीविका सखी मंडल से आई हुई कुल 20 दीदियों ने सॉफ्ट ट्वॉयज प्रशिक्षण प्राप्त की और उनका सफल असेसमेंट कराया गया साथ ही आज आसेटी साहेबगंज के द्वारा जिला कृषि भवन में आज आसेटी बाजार का भी आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि जिला उपायुक्त साहिबगंज रहे।प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुये कहा कि महिलाएं प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन कर समाज वार देश के आर्थिक विकाश में सहयोग कर सकती है और अपने परिवार को आर्थिक कमजोरी को मजबूत कर सकती,निदेशक ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि जेएसपीएलस और आसेटी आज समाज में बहुत अच्छा काम कर रही है और अभी प्रशिक्षुओ को उनके उज्जवल भविष्य का रास्ता दिखा रहे है मौके पर सभी प्रखंडों से आए कुल 20 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने सहित दर्जनों महिलाएं उपस्थित थे।

हिजला मेला स्मारिका समिति की आयोजित बैठक संपन्न

दुमका: संताल परगना प्रमंडल के जनसंपर्क विभाग केउप निदेशक रोहित कंडुलना की अध्यक्षता में शुक्रवार को हिजला मेला स्मारिका समिति की बैठक आयोजित की गयी । बैठक में स्मारिका की रुपरेखा एवं विषयवस्तु के सम्बन्ध में चर्चा किया गया । बैठक में 1. झारखण्ड राज्य निमार्ताः दिशोम गुरु शिबू सोरेन 2. झारखण्ड के 25 वर्ष 3. दुमका/संथाल परगना की विकास यात्रा 4. ग्रामीण बाजार-हाट 5. स्थानीय मेला 6. कृषि आधारित जनजीवन 7. लोक संगीत, लोक कला, वाद्य यन्त्र 8. पुराना समाहरणालय भवन 9. उधवा पक्षी अभ्यारण 10. हिजला स्मारिका की कथा यात्रा 11. हिजला मेला का सफर 12. विकास कार्यों में नवाचार 13. दुमका/संथाल परगना में खेल संस्कृति 14. जतरा 15. पारम्परिक वस्त्र-आभूषण 16. स्थानीय खानपान इत्यादि विषय पर लेखकों, बुद्धिजीवियों, छात्र-छात्राओं से आलेख आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया । साथ ही स्मारिका के लिए लेखक एवं कवियों से कहानी एवं कविता भी आमंत्रित करने का भी निर्णय लिया गया ।

लेखक, कवि, बुद्धिजीवी, छात्र-छात्रा अपने आलेख, कहानी, कविता दिनांक 06.02.2026 तक जिला जनसम्पर्क कार्यालय दुमका के ई मेल आईडी पर भेज सकते हैं । इच्छुक व्यक्ति अपनी स्वरचित मौलिक रचना हिन्दी, संथाली, अंग्रेजी, बांग्ला, अंगिका, खोरठा, संस्कृत, उर्दू भाषा में भेज सकते हैं ।

बैठक में डॉ. चतुर्भुज नारायण मिश्र, कमलाकांत सिन्हा, डॉ. सपन पत्रलेख, अशोक सिंह, अमरेंद्र सुमन, विद्यापति झा, विनय कुमार उपस्थित थे ।

नगरपालिका निर्वाचन 2026 को लेकर जारी किया गया हेल्पलाइन नंबर

दुमकाः जिले में नगरपालिका निर्वाचन 2026 के सफल एवं निष्पक्ष संचालन को लेकर आदर्श आचार संहिता को प्रभावी रूप से लागू किया गया है। इस क्रम में आम नागरिकों को सूचित किया जाता है कि चुनाव से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत, आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन अथवा अन्य चुनावी अनियमितताओं की जानकारी जिला नियंत्रण कक्ष को दी जा सकती है।

आम नागरिकों की सुविधा हेतु जिला नियंत्रण कक्ष में हेल्पलाइन, जनशिकायत एवं नियंत्रण कोषांग की स्थापना की गई है। नागरिक चुनाव से संबंधित अपनी शिकायतें अथवा सूचनाएं नीचे दिए गए हेल्पलाइन नंबर पर दर्ज करा सकते हैं।

हेल्पलाइन नंबरः 9508250080

सीडीएससीओ की टीम ने सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक का किया निरीक्षण

साहिबगंजःसेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ओगेर्नाइ जेशन,ईस्ट जॉन कोलकाता की विशेष टीम ने शुक्रवार को सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक का निरीक्षण किया।टीम ने ब्लड बैंक में उपलब्ध रक्त संग्रह,जांच प्रक्रिया,भंडारण व्यवस्था एक्सपायरी डेट,तापमान नियंत्रण उपकरणों की कार्यशीलता,साफ-सफाई एवं रिकॉर्ड संधारण सहित हर बिंदु पर बारीकी से निरीक्षण किया।टीम ने यह भी देखा कि रक्त संग्रह एवं वितरण की प्रक्रिया ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट व केंद्र सरकार से निर्धारित मानक के अनुरूप है या नहीं।साथ ही ब्लड बैंक कर्मियों से आवश्यक दस्तावेज लाइसेंस व रजिस्टर की भी जांच की।जांच टीम के साथ ड्रग इंस्पेक्टर चंदन कुमार सहित डॉक्टर मोहन मुर्मू,प्रधान सहायक प्रवीण कुमार मौजूद थे।

नगर निगम देवघर व नगर परिषद् मधुपुर में नाम - निर्देशन रहा शून्य

देवघरः नगरपालिका आम चुनाव 2026 के निमित्त पूरे नगर निकायों में नाम निर्देशन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस दौरान देवघर जिला अंतर्गत निगम देवघर और नगर परिषद् मधुपुर में शुक्रवार को नाम निर्देशन शून्य रहा.

लोकेश कनगराज ने क्यों छोड़ी थलाइवर 173, बताई वजह

साउथ निर्देशक लोकेश कनगराज ने हाल ही में रजनीकांत और कमल हासन की फिल्म थलाइवर 173 से इसलिए हटे क्योंकि रचनात्मक मतभेद हो गए थे। उन्होंने करीब डेढ़ महीने तक स्क्रिप्ट पर मेहनत की थी, लेकिन दोनों बड़े सितारों से बात करने के बाद फिल्म की दिशा बदल गई। रजनीकांत और कमल हासन दोनों ही अपनी पिछली एक्शन से भरी फिल्मों के बाद अब एक हल्की-फुल्की, मजेदार फिल्म करना चाहते थे। रजनीकांत जेलर 2 जैसी एक्शन फिल्म से वापसी कर रहे हैं और कमल हासन भी अनबरीव जैसी हाई-ऑक्टेन फिल्म की तैयारी में हैं। इसलिए वे जानबूझकर कुछ अलग स्टाइल की फिल्म चाहते थे। लोकेश ने कहा, ऐसी हल्की फिल्में मेरी पसंद की नहीं हैं, इसलिए उन्होंने प्रोजेक्ट छोड़ दिया।

कैथी 2 में देरी क्यों?

कैथी 2 में देरी की अफवाहों पर भी लोकेश ने सफाई दी। उन्होंने कहा कि देरी का कारण वेतन बढ़ाने की मांग नहीं है। इस वजह से उन्हें मैत्री मूवी मेकर्स के साथ पुराना प्रोजेक्ट फिर से शुरू करना पड़ा और तभी अल्लू अर्जुन के साथ नई फिल्म शुरू हुई। वहीं एटली (जो अल्लू अर्जुन के साथ काम कर रहे हैं) से तुलना की बात पर लोकेश ने कहा कि उनके बीच कोई प्रतिद्वंद्विता नहीं है। दोनों तमिल सिनेमा को आगे बढ़ाने पर फोकस कर रहे हैं और एक-दूसरे की सफलता से खुश होंगे। अब थलाइवर 173 का निर्देशन सिबी चक्रवर्ती करेंगे और इसे कमल हासन की कंपनी राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल बनाएगी।

लोकेश की आने वाली फिल्म

लोकेश की तरफ से अच्छी खबर यह है कि उन्होंने हाल ही में अल्लू अर्जुन के साथ अपनी नई फिल्म की घोषणा की। पोंगल और मकर संक्रांति के मौके पर इसका टीजर जारी किया गया। फिल्म का अभी शीर्षक फाइनल नहीं हुआ है, संगीत अनिरुद्ध देंगे और शूटिंग इस साल के अंत में शुरू होगी।

क्यों प्रसिद्ध हैं लोकेश कनगराज?

लोकेश कनगराज मुख्य रूप से अपनी अनूठी एक्शन-थ्रिलर फिल्म मानागरम, कैथी, विक्रम और लियो (2023) जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लिए प्रसिद्ध हैं। वे अपनी फिल्मों में तीव्र सस्पेंस, मल्टी-स्टार कास्ट, और तकनीकी रूप से उन्नत दृश्यों के लिए जाने जाते हैं।

सोशल मीडिया ने बदली मिथिला पालकर की जिंदगी

लिटिल थिंग्स, कारवां, चॉपस्टिक्स और अन्य फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेत्री-गायिका मिथिला पालकर आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी फिल्म हैप्पी पटेल से सुर्खियां बटोर रही हैं। मिथिला फिल्मों से लेकर ओटीटी तक पर अपने अभिनय की कला को दिखा चुकी हैं। अब उन्होंने अपनी फिल्मी जर्नी शेयर की है और बताया है कि उन्होंने कभी भी एक्टिंग करियर के लिए किसी तरह की प्लानिंग नहीं की, बल्कि सब कुछ अपने आप होता चला गया। अभिनेत्री मिथिला ने कहा, मैंने हमेशा यही कहा है कि अपने पेशेवर जीवन को आगे बढ़ाने के लिए मैंने परिस्थितियों के अनुसार ही काम किया। एक एक्ट्रेस बनने के लिए मैंने इसे दोनों हाथों से अपनाया। मुझे क्या पता था कि इंटरनेट क्या कर देगा? 10 साल पहले, हम सभी इंटरनेट पर बस शुरुआत कर रहे थे। उस समय टीवी, थिएटर और फिल्में ही मुख्य थीं। रेडियो का भी अपना एक अलग ही प्रभाव था। इसलिए, हमें नहीं पता था कि इंटरनेट इस तरह से अपना प्रभाव डाल सकता है। इसलिए, मैं भी सोशल मीडिया पर एक्सपेरिमेंट कर रही थी। मैं हर उस चीज के साथ प्रयोग करने को तैयार थी जो मुझे एक कलाकार बनने में मदद करे। उन्होंने कहा, मैंने हर चीज के लिए ऑडिशन दिया। मेरी जिंदगी जिस तरह से आगे बढ़ी है, मुझे नहीं लगता कि मैं इससे बेहतर योजना बना सकती थी। इसलिए मुझे खुशी है कि मैंने इसकी योजना नहीं बनाई, क्योंकि मैंने खुद को जिंदगी के फ्लो के साथ चलने की आजादी दी। मुझे फिल्टर कॉपी मिली, जिसने मुझे न्यूज दर्शन दिया, जो एक नया व्यंग्य कॉमेडी शो था, जिसके बाद ध्रुव और मैंने दो कॉमेडी स्केच किए। उसके बाद, लिटिल थिंग्स हुआ, गर्ल इन द सिटी हुआ। तो, सब कुछ एक के बाद एक होता चला गया। इसलिए मुझे नहीं लगता कि अगर मैंने इसकी योजना बनाई होती, तो मैं इसे इतनी अच्छी तरह से बना पाती। करियर की शुरुआत में मिथिला को कई लोगों से सहयोग मिला और वे खुद को लकी मानती हैं कि उनकी जर्नी में उन्हें अच्छे लोगों का साथ मिला। अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं यह जरूर कहना चाहूंगी कि मैं भाग्यशाली थी कि सही समय पर सही लोगों से मिली। जिन लोगों से मैंने 8 साल पहले बात की थी, उसके बाद हमारी मुलाकात नहीं हुई। लेकिन 8 साल पहले, वे लोग मेरे जीवन में बहुत मायने रखते थे, मेरी यात्रा में उनका बहुत बड़ा योगदान था। और मैं उन लोगों को कभी नहीं भूलूंगी।

अक्षय कुमार की वेलकम टू द जंगल की रिलीज डेट का एलान

बस पांच महीने का इंतजार और फिर सिनेमाघरों में होगा धमाल! जी हां, क्योंकि वेलकम टू द जंगल की रिलीज डेट सामने आ गई है। दिसंबर में अक्षय कुमार ने एक वीडियो साझा कर बताया था कि यह फिल्म साल 2026 में रिलीज होगी। अब इसकी रिलीज डेट का खुलासा भी कर दिया गया है।

जून में होगा बॉक्स ऑफिस पर धमाका!

कॉमेडी फिल्म वेलकम टू द जंगल जून में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह मल्टीस्टारर फिल्म 26 जून, 2026 को रिलीज होगी। वेलकम फ्रेंचाईजी की यह तीसरी किस्त है और काफी मजेदार होने वाली है। इसमें अक्षय कुमार के अलावा कई और शानदार सितारे नजर आएंगे।

ये सितारे होंगे फिल्म का हिस्सा

फिल्म वेलकम टू द जंगल के निर्देशन की कमान अहमद खान ने संभाली है। इसमें अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ सहित करीब 30 सितारे नजर आएंगे। रवीना टंडन, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, परेश रावल, राजपाल यादव, जॉनी लीवर, आफताब शिवदासानी, लारा दत्ता, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, और दलेर मेहंदी भी फिल्म में अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

पिछली दो फिल्में रहीं हिट

इस चर्चित फ्रेंचाईजी की पहली वेलकम साल 2007 में रिलीज हुई थी। फिर साल 2015 में इसका दूसरा पार्ट वेलकम बैक आया। दोनों फिल्मों का निर्देशन अनीस बज्मी ने किया था। कलेक्शन की बात करें तो पिछली दोनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल रहीं। दर्शकों को इसके तीसरे पार्ट का बेसब्री से इंतजार है।

बदले की कहानी लेकर आए संजय कपूर-शाहीर शेख और मौनी रॉय

पंजाब में रची-बनी बदले की कहानी पर आधारित ड्रामा सीरीज का नाम है अब होगा हिसाब। इस सीरीज में संजय कपूर, शाहीर शेख और मौनी रॉय मुख्य भूमिका में हैं। यह अमेजन एमएक्स प्लेयर पर उपलब्ध है। लालच और नैतिक ऋण की एक दमदार कहानी, जहां अतीत के पापों का हिसाब चुकाना पड़ता है। मेकर्स ने इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर अब होगा हिसाब का टीजर शेयर किया और कैप्शन में लिखा, वक्त आ गया है, अब हटेगा सबका नकाब, सबके गुनाहों का, कर्मों का...अब होगा हिसाब। इसे आप एमएक्सप्लेयर पर फ्री में देख सकेंगे। अब होगा हिसाब एक रोमांचक वेब सीरीज है, जो बदला लेने की कहानी दिखाती है। यह महत्वाकांक्षा और जीवन के अंधेरे पक्ष को उजागर करती है। यह सीरीज जल्द ही अमेजन एमएक्स प्लेयर पर फ्री में स्ट्रीम होगी।

बॉर्डर 2 की सफलता के बाद नई फिल्म की तैयारी में जुटे सनी देओल, फरवरी में शुरू होगी शूटिंग

अभिनेता सनी देओल इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म बॉर्डर 2 की सफलता का जश्न मना रहे हैं। इस बीच उन्होंने अपनी अगली फिल्म की घोषणा कर दी है। यह फिल्म एआर मुरुगादॉस और फरहान अख्तर द्वारा प्रोड्यूस की जा रही है और फरवरी से शूटिंग शुरू होने वाली है। अनटाइटल्ड फिल्म का निर्देशन बालाजी गणेश करेंगे। फिल्म की टीम ने रविवार को पूजा-अर्चना की और साथ में तस्वीरें भी खिंचवाईं। एक तस्वीर में सनी देओल, ज्योतिका, निर्देशक बालाजी गणेश और प्रोड्यूसर रितेश सिधवानी मुस्कुराते हुए पोज देते नजर आए। टीम नए प्रोजेक्ट को लेकर काफी उत्साहित है। 23 जनवरी को सनी देओल की फिल्म बॉर्डर 2 रिलीज हुई। अनुराग सिंह निर्देशित यह फिल्म जेपी दत्ता की मूल बॉर्डर की सीक्वल है। टी-सीरीज फिल्म्स और जेपी फिल्म्स के बैनर तले भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता ने इसे प्रोड्यूस किया है। फिल्म में सनी देओल के साथ वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी मुख्य भूमिकाओं में हैं। मोना सिंह, सोनम बाजवा, अन्या सिंह और मेधा राणा भी महत्वपूर्ण किरदार में हैं।

आलिया भट्ट ने की बॉर्डर 2 की तारीफ

वॉर ड्रामा फिल्म बॉर्डर-2 रिलीज के बाद से ही दर्शकों और सेलिब्रिटीज के बीच खूब चर्चा में है। फिल्म को मिल रही तारीफों की लिस्ट में नाम मशहूर अभिनेत्री आलिया भट्ट का भी जुड़ गया है। आलिया ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए फिल्म के सभी कलाकारों की तारीफ की। उन्होंने स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म बॉर्डर-2 की एक क्लिप शेयर की। इस सीन में वरुण, दिलजीत, अहान शेट्टी, और सनी देओल समेत फिल्म के कई कलाकार नजर आ रहे हैं। इसमें फिल्म के कुछ पावरफुल क्लिप्स भी शामिल हैं। आलिया ने लिखा, फिल्म बॉर्डर-2 शानदार फिल्मों में से एक है। अभिनेत्री ने फिल्म के डायरेक्टर अनुराग सिंह और पूरी स्टारकास्ट की परफॉर्मेंस को कमाल का बताया। इसी के साथ ही उन्होंने फिल्म के मुख्य कलाकारों की तारीफ करते हुए लिखा, सोनम बाजवा, सनी देओल, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, मोना सिंह, मेधा राणा और आन्या समेत सभी ने शानदार काम किया है। खासतौर पर मेरे करीबी दोस्त वरुण धवन ने तो हर सीन में अपना दिल और जान डाल दी है, जो कि वह सबसे बेहतर करते हैं। आपके लिए बहुत खुशी हो रही है, वरुण धवन। आपके लिए साल की शुरुआत वाकई जबरदस्त रही। पूरी टीम को मेरी तरफ से बधाई।

फिल्म बॉर्डर 2 को रिलीज के बाद से ही दर्शकों को जबरदस्त प्यार मिल रहा है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 177 करोड़ आकड़ा पार कर लिया है। फिल्म में कहानी को मजबूत तरीके से दिखाया गया है, जिसकी वजह से यह दर्शकों के दिलों को छू रही है। इसमें सनी देओल के साथ वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी जैसे कलाकारों की दमदार मौजूदगी है। बॉर्डर 2 के निर्माता गुलशन कुमार और टी-सीरीज हैं। फिल्म के निर्देशक अनुराग सिंह हैं, जबकि भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी. दत्ता, और निधि दत्ता इसके निर्माण में शामिल हैं। फिल्म को बिना किसी कट के यूए 13 प्लस के सर्टिफिकेट के साथ रिलीज किया गया है।

लीग 1 2025-26: लेन्स ने ले हावरे को 1-0 से हराया, पीएसजी को पछाड़कर फिर शीर्ष पर पहुंचा

एजेंसी

पेरिस : फ्रेंच लीग 1 में लेन्स ने एक बार फिर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में लेन्स ने संघर्षरत ले हावरे को 1-0 से हराकर अंकतालिका में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) को पीछे छोड़ दिया। बारिश भरी रात में उत्तरी फ्रांस में खेले गए इस मुकाबले का एकमात्र गोल पहले हाफ के अतिरिक्त समय में रुबेन अगुइलार ने किया। मैथ्यू उडोल के सटीक क्रॉस पर दाहिने बैक अगुइलार ने फॉर पोस्ट पर पहुंचकर गेंद को जाल में पहुंचाया। अगुइलार को 2020 में फ्रांस की राष्ट्रीय टीम के लिए एक मैच खेलने का मौका मिल चुका है। यह जीत लेन्स के लिए जीत की राह पर वापसी भी रही। टीम ने लीग और कप मुकाबलों में लगातार 10 जीत दर्ज की थीं, लेकिन पिछले सप्ताह मार्सेई के खिलाफ 1-3 की हार का सामना करना पड़ा था। उस हार के चलते लेन्स दो अंक पीछे रहते हुए तालिका में दूसरे स्थान पर आ गया था। ले हावरे के खिलाफ इस जीत के साथ लेन्स ने 20 मैचों के बाद एक अंक की बढ़त के साथ फिर से शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। हालांकि, पीएसजी के पास रविवार को स्ट्रासबर्ग के खिलाफ होने वाले मुकाबले में हार से बचते हुए फिर से पहले स्थान पर लौटने का मौका रहेगा। लेन्स इस समय मार्सेई से आठ अंक आगे है। मार्सेई, जो मध्य सप्ताह चैंपियंस लीग से बाहर होने की निराशा झेल चुका है, शनिवार को पेरिस एफसी के खिलाफ मुकाबले में वापसी की कोशिश करेगा। वहीं, रविवार को चौथे स्थान पर मौजूद लियोन और पांचवें स्थान की टीम लील के बीच अहम भिड़ंत होगी।

सऊदी प्रो लीग 2025-26: रोनाल्डो, कोमन और सिमाकन के गोल से अल नासर ने अल खोलूद को 3-0 से हराया

एजेंसी

बुरैदाह : किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट सिटी स्टेडियम में शुक्रवार देर रात खेले गए मुकाबले में अल नासर ने दमदार प्रदर्शन करते हुए अल खोलूद को 3-0 से शिकस्त दी। इस जीत में क्रिस्टियानो रोनाल्डो, किंग्सले कोमन और मोहम्मद सिमाकन ने गोल दागे। इस जीत के साथ अल नासर 18 मैचों में 43 अंकों के साथ अंकतालिका में दूसरे स्थान पर कायम है और शीर्ष पर मौजूद अल हिलाल से तीन अंक पीछे है। मैच की शुरूआत से ही अल नासर ने आक्रामक रुख अपनाया। शुरूआती 15 मिनट में अल खोलूद की रक्षा पंक्ति को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। पांचवें मिनट में अल नासर गोल के बेहद करीब पहुंच गया था, जब गोलकीपर जुआन पाब्लो कोजानी की गलत क्लीयरेंस के बाद

रोनाल्डो ने खाली नेट पर शॉट मारा, लेकिन गेंद को गोललाइन से बाहर निकाल दिया गया। हालांकि मेजबान अल खोलूद पूरी तरह दबाव में नहीं दिखा और धीरे-धीरे उसने भी हमले तेज किए। पहले हाफ में उसे फ्री-किक से सुनहरा मौका मिला, लेकिन अब्दुलअजीज अल-अलीवा का शॉट सीधे अल नासर के गोलकीपर बेंटो के हाथों में चला गया। पहले हाफ के बाद स्कोर 0-0 रहा और अल खोलूद को उम्मीद जगी कि वह मुकाबले में बना रह सकता है। लेकिन दूसरे हाफ की शुरूआत में ही अल नासर ने मैच का रुख बदल दिया।

48वें मिनट में जोआओ फेलिक्स और रोनाल्डो की शानदार तालमेल के बाद रोनाल्डो ने नजदीक से गेंद को जाल में डालकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके महज पांच मिनट बाद फेलिक्स ने कॉर्नर पर सटीक गेंद डाली, जिस पर सिमाकन ने शक्तिशाली हेडर से दूसरा गोल कर दिया। दो त्वरित गोलों के बाद अल खोलूद की टीम थकी हुई नजर आई। हालात तब और बिगड़ गए जब टीम के कप्तान हत्तान बाहेबरी को सिमाकन पर कथित कोहनी मारने के लिए सीधे लाल कार्ड दिखा दिया गया, हालांकि रीप्ले में यह फैसला कुछ सख्त नजर आया। जब मुकाबला 2-0 पर समाप्त होता दिख रहा था, तब अल नासर को अंतिम क्षणों में पेनल्टी मिली। सोलन ने बॉक्स के अंदर कोमन को फाउल किया। रोनाल्डो के मैदान से बाहर होने के बाद, कोमन ने खुद पेनल्टी ली और गोलकीपर को छकाते हुए टीम के लिए तीसरा गोल दागा। इस तरह अल नासर ने 3-0 की शानदार जीत दर्ज कर ली और खिताब की दौड़ में अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखी।

कोलकाता पहुंचे अमित शाह, शुभेंदु अधिकारी और शमिक भट्टाचार्य संग की बैठक

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लक्ष्य कर भाजपा ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार रात एक बार फिर कोलकाता पहुंचे। होटल पहुंचते ही उन्होंने राज्य भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक की। सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य, नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी और केंद्रीय राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार मौजूद रहे। इसके अलावा बंगाल के लिए नियुक्त पार्टी पर्यवेक्षक भी बैठक में शामिल थे। बैठक में राज्य की मौजूदा राजनीतिक स्थिति, संगठन की मजबूती और आगामी चुनावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। भाजपा सूत्रों का कहना है कि अमित शाह ने बैठक के दौरान बंगाल में संगठन की जमीनी स्थिति

की बारीकी से समीक्षा की और यह जाना कि किस क्षेत्र में पार्टी को और मजबूत करने की जरूरत है। हालांकि बैठक में हुई चर्चा का आधिकारिक विवरण सामने नहीं आया है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पिछले कुछ महीनों से लगातार बंगाल दौरे पर आ रहे हैं। मंदिर दर्शन से लेकर जनसभाओं तक, भाजपा नेतृत्व का स्पष्ट उद्देश्य राज्य की जनता के मन को समझकर उसी के अनुरूप चुनावी रणनीति तैयार करना है।

शनिवार को अमित शाह का दिनभर व्यस्त कार्यक्रम है। सुबह करीब 11 बजे वे उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर स्थित आनंदपुरी मैदान में पार्टी कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम में बनगांव, बारासात, बशीरहाट और बैरकपुर, इन चार संगठनात्मक जिलों के कार्यकर्ता शामिल होंगे। इसके बाद वे सिलीगुड़ी रवाना होंगे, जहां एयरफोर्स मैदान में एक और कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। सिलीगुड़ी कार्यक्रम के बाद अमित शाह शाम को दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

छत्तीसगढ़ में आज धान खरीद का अंतिम दिन

रायपुर : छत्तीसगढ़ में आज धान खरीद का अंतिम दिन है। यह प्रक्रिया पिछले साल 15 नवबर को शुरू हुई थी। किसानों को समर्थन मूल्य में विक्रय करने के लिए ढाई महीने का समय मिला। जानकारी के मुताबिक जिन किसानों ने धान बेचने के लिए टोकन हासिल कर लिया है, वे आज अपना धान उपार्जन केंद्रों में बेच सकेंगे। शासन का दावा है कि समर्थन मूल्य के अंतर्गत पूरी प्रक्रिया सरल, सुव्यवस्थित और पारदर्शी रही, जिससे उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। धान विक्रय हेतु उनका टोकन ऑफलाइन माध्यम से जारी किया गया था, इसके बावजूद उपार्जन केंद्र में सभी व्यवस्थाएँ सुचारू रूप से संचालित रहीं। यह दर्शाता है कि डिजिटल प्रणाली के साथ उन किसानों के लिए भी प्रभावी वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, जो ऑनलाइन प्रक्रियाओं से पूरी तरह परिचित नहीं हैं। उपार्जन केंद्र में किसानों के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था, पेयजल सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध थीं। डिजिटल कांटे से सटीक तौल, सुव्यवस्थित प्रबंधन तथा भीड़-भाड़ से मुक्त वातावरण ने पूरी प्रक्रिया को भरोसेमंद और किसान अनुकूल बना दिया। अपने अनुभव साझा करते हुए किसान हीरालाल ने बताया कि पिछले वर्षों की तुलना में इस बार धान विक्रय प्रक्रिया अधिक सहज और तनावमुक्त रही।

मप्र के इंदौर में दूषित पानी से एक और मरीज की मौत, मृतकों की संख्या बढ़कर 31 हुई

एजेंसी

इंदौर : मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी पीने से फैली बीमारी के कारण शुक्रवार को एक और मरीज की मौत हो गई। इसके बाद क्षेत्र में दूषित पानी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 31 हो गई है।

मृतक की पहचान 72 वर्षीय एकनाथ सूर्यवंशी के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, एकनाथ सूर्यवंशी को उल्टी-दस्त की शिकायत के बाद 29 दिसंबर 2025 को पहले शैल्बी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ तो उन्हें 3 जनवरी 2026 को बॉम्बे हॉस्पिटल रेफर किया गया। यहां 4 जनवरी को तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर उन्हें वेंटिलेटर पर शिफ्ट कर दिया गया। उनका इलाज करीब 30 दिनों तक चला, जिसमें वे 25 दिन से अधिक समय तक वेंटिलेटर पर रहे। गुरुवार शाम को परिजन अपनी सहमति से उन्हें डिस्चार्ज कराकर घर ले गए थे, जहां शुक्रवार को उनकी मौत हो गई। डॉक्टरों के मुताबिक एकनाथ सूर्यवंशी की दोनों किडनियां फेल हो चुकी थीं, लिवर खराब था

और बीमारी का असर हार्ट और ब्रेन तक पहुंच गया था। दूषित पानी के कारण ज्यादातर मरीजों में मल्टी ऑर्गन फेल्योर की स्थिति बनी। इंदौर में हुई इस मौत के बाद मृतकों का आंकड़ा 31 पहुंच गया है। मृतकों में उर्मिला यादव (69), नंदलाल पाल (75), उमा कोरी (31), मंजूला (74), ताराबाई कोरी (60), गोमती रावत (50), सीमा प्रजापत (50) जीवन लाल बरेडे (80), अव्यान साहू (5 माह), शंकर भाया (70), संतोष बिगोलिया (72), अरविंद लिखर (40), गीताबाई (60), अशोक लाल पंवार (70), ओमप्रकाश शर्मा (69), हरकुंवर बाई (75), रामकली, सुमित्रा बाई (50), श्रवण खुपराव (81), हीरालाल (65), सुनीता वर्मा (49), कमला बाई (59), भगवानदास (64), शुभद्राबाई (78), हेमंत गायकवाड़ (51), विद्या बाई (82), बद्री प्रसाद (63), राजाराम बौरासी (75), खूबचंद (63), लक्ष्मी रजक (62) और एकनाथ सूर्यवंशी (75) शामिल हैं। इधर, भागीरथपुरा दूषित पानी मामले में अब तक 450 से ज्यादा मरीज इलाज के बाद डिस्चार्ज किए जा चुके हैं। फिलहाल चार मरीज अस्पताल में भर्ती हैं, जिनमें से तीन बॉम्बे हॉस्पिटल के आईसीयू में और एक अरविंदो हॉस्पिटल में इलाजरत है। इलाके में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अब भी 24 घंटे संचालित है और दो एम्बुलेंस तैनात की गई हैं। फिलहाल डायरिया के एक-दो हल्के मामले ही सामने आ रहे हैं, लेकिन हालात सुधरने के बावजूद क्षेत्र के रहवासी अब भी सहमे हुए हैं।

मप्र: मुख्यमंत्री आज रीवा जिले के प्रवास पर, गुढ़ में भैरवनाथ मंदिर का करेंगे लोकार्पण

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शनिवार को रीवा जिले के एक दिवसीय प्रवास पर रहेंगे। वे यहां दोपहर एक बजे गुढ़ विधानसभा क्षेत्र में आयोजित समारोह में भैरवनाथ मंदिर का लोकार्पण करेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी उमेश तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि गुढ़ के समीप ग्राम खामडीह में भैरव बाबा की विशाल प्राचीन प्रतिमा है। यह प्रतिमा दुर्लभ शयन मुद्रा में है। स्थापत्य की दृष्टि से इसका निर्माण लगभग 10वीं शताब्दी में किया गया। प्रतिमा वर्षों से खुले आसमान के नीचे थी। इसमें शासन की एलएडी योजना के तहत प्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार तथा अन्य निर्माण कार्य कराए गए हैं। विशाल भैरव बाबा प्रतिमा के चारों ओर दो मंजिला मंदिर का निर्माण कार्य किया गया है। इसकी लागत 180

लाख रुपये है। यह मंदिर हजारों लोगों की आस्था का केन्द्र है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंदिर पहुंचकर भगवान भैरवनाथ की पूजा-अर्चना करेंगे तथा मंदिर में ध्वज चढ़ाएंगे। मुख्यमंत्री विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। समारोह की अध्यक्षता उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल करेंगे। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद जनार्दन मिश्र, विधायकगण नागेन्द्र सिंह, दिव्यराज सिंह, सिद्धार्थ तिवारी व नरेन्द्र प्रजापति, जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल तथा पूर्व महापौर एवं भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता शामिल होंगे। समारोह में मुख्यमंत्री 17 करोड़ 13 लाख रुपये की लागत के चार निर्माण कार्यों का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण करेंगे।

मध्य प्रदेश के उत्तर में छाया घना कोहरा,तीन दिन अलर्ट

– राजगढ़ रहा सबसे ठंडा जिला, न्यूनतम तापमान 3 डिग्री रिकॉर्ड

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के उत्तरी हिस्से में मौसम ने करवट ले ली है। ग्वालियर, रीवा सहित करीब 20 जिलों में मध्यम से घना कोहरा छाया हुआ है। कोहरे के बाद प्रदेश में आंधी और बारिश का सिलसिला शुरू होगा। इसे देखते हुए 1, 2 और 3 फरवरी के लिए अलर्ट जारी किया गया है। सबसे ज्यादा प्रभाव ग्वालियर, चंबल, सागर और उज्जैन संभाग में रहने की संभावना है।मौसम विभाग के अनुसार, यह बदलाव पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टरबेंस) के सक्रिय होने के कारण हो रहा है। 2 से 5 फरवरी के बीच पश्चिम और उत्तर भारत में यह सिस्टम मजबूत रहेगा,

जिसका असर मध्य प्रदेश में भी दिखेगा। इसके चलते 10 फरवरी तक प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश की संभावना बनी हुई है। 1 फरवरी को ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। 2 फरवरी नीमच, मंदसौर के साथ ग्वालियर-चंबल अंचल और बुंदेलखंड के कई जिलों में भी बारिश के आसार हैं। 3 फरवरी को ग्वालियर, गुना, शिवपुरी, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना और रीवा में बारिश के साथ आंधी और बिजली गिरने की चेतावनी है।

बारिश से पहले प्रदेश के कई जिलों में कोहरा लोगों की परेशानी बढ़ा रहा है।

छपरा सदर अस्पताल में डीएम एसएसपी ने किया औचक निरीक्षण

एजेंसी

सारण : जिला प्रशासन द्वारा स्वास्थ्य और सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के उद्देश्य से बीती रात जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव एवं वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार ने संयुक्त रूप से सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। अधिकारियों की इस अचानक कार्रवाई से अस्पताल परिसर में मौजूद स्वास्थ्य कर्मियों और अवैध एंबुलेंस संचालकों के बीच हड़कंप मच गया। निरीक्षण की शुरूआत अस्पताल के मुख्य प्रवेश द्वार से हुई ,जहाँ अक्सर अवैध एंबुलेंसों के जमावड़े और दलालों की सक्रियता की शिकायतें मिल रही थीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएम और एसएसपी ने सख्त रुख अपनाया। मौके से 12 अवैध

एंबुलेंसों को जब्त किया गया। मोटर वाहन अधिनियम के उल्लंघन को लेकर इन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए 3,36,000 रुपये का जुमार्ना ठोका गया। इसके साथ ही, एंबुलेंस चालकों को हिरासत में लेकर उनके विरुद्ध विधिसम्मत कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। अस्पताल परिसर स्थित मातृ शिशु अस्पताल के निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य व्यवस्था की बड़ी लापरवाही सामने आई।ड्यूटी रोस्टर के अनुसार डॉ शिवचंद्रा और डॉ सीमा कुमारी को तैनात होना था, लेकिन वे नदारद मिलीं और उनके स्थान पर डॉ निशा कुमारी ड्यूटी कर रही थीं। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि अस्पताल में चिकित्सक रोस्टर की अनदेखी कर अपनी मनमानी से ड्यूटी कर रहे हैं। इस घोर अनुशासनहीनता पर जिलाधिकारी ने दोनों अनुपस्थित चिकित्सकों से स्पष्टीकरण मांगा है और भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी दी है। अस्पताल की सुरक्षा और विधि-व्यवस्था को लेकर डीएम और एसएसपी ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जिनमें मुख्य प्रवेश द्वार के समीप भवन में अविलंब स्थायी पुलिस चेक पोस्ट शुरू करने का आदेश दिया गया। मातृ शिशु अस्पताल के प्रवेश द्वार पर तत्काल एक सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष स्थापित करने का निर्देश मिला। पूरे परिसर में पी ए सिस्टम लगाई जाएगी ताकि आपात स्थिति में सूचनाओं का आदान-प्रदान और भीड़ नियंत्रण प्रभावी ढंग से हो सके। निरीक्षण के अंत में जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने कड़े शब्दों में कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही या बाहरी दलालों का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

रायपुर-बिलासपुर हाइवे में हिट-एंड-रन हादसा,3 लोगों की मौके पर ही मौत

एजेंसी

रायपुर : रायपुर-बिलासपुर हाइवे में आज सुबह एक भीषण हिट-एंड-रन हादसा हुआ है। जिसमें एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवारों समेत कई लोगों को कुचल दिया। जिससे 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।दो लोग घायल हुए हैं। दोनों घायलों को इलाज के लिए सिमगा सामुदायिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस के अनुसार, हिट एंड रन का ये मामला रायपुर-बिलासपुर हाइवे में तिल्दा थाना के अंतर्गत भुमिया गांव के पास हुआ है। एक अज्ञात वाहन ने शनिवार सुबह बाइक सवार समेत कई लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। वाहन चालक ने बाइक सवार को कई मीटर तक घसीटा। इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए ।मृतकों की पहचान घनराम यदु, लक्ष्मी शंकर यदु और देवेंद्र यादव के रूप में हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची तिल्दा पुलिस ने दोनों घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिमगा में भर्ती करवाया है। सभी घायल और मृतक भूमिया गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। वहीं इस हादसे को अंजाम को देने के बाद अज्ञात वाहन चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया है। तिल्दा पुलिस की टीम ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उसकी खोज में जुट गई है।

मप्र: देश की सबसे बड़ी प्रतिमाओं में से एक है गुढ़ में स्थापित शयन मुद्रा में कालभैरव की प्रतिमा

एजेंसी

रीवा : मध्य प्रदेश का विन्ध्य प्राचीन मंदिरों से भरा हुआ क्षेत्र है। विन्ध्य और बुंदेलखण्ड के अलग-अलग भागों में शैव कालीन, राजपूत कालीन, कल्चुरि कालीन स्थापत्य का प्रतिनिधित्व करते हुए कई शैव और जैन मंदिर हैं। प्राचीनतम शिव मंदिर भी इन्ही क्षेत्रों में स्थित हैं। विन्ध्य की धरा प्राचीन स्तूपों, मंदिरों, मठों और प्रतिमाओं से समृद्ध है। प्राचीन मूर्तिकला का अद्भुत प्रमाण गुढ़ के समीप खामडीह गावं में स्थित भैरवनाथ बाबा की प्रतिमा है। यह प्रतिमा भगवान शिव के उग्र रूप काल भैरव की देश की सबसे बड़ी

प्रतिमाओं में से एक है। अद्भुत शयन मुद्रा में इस प्रतिमा का सौंदर्य निराला दिखाई देता है। प्रतिमा की लम्बाई 8.5 मीटर तथा चौड़ाई 3.7 मीटर है। यह प्रतिमा वर्षों से विन्ध्य की प्रमुख कैमोर पर्वत माला की गोद में खुले में थी। इस पर शासन की एलएडी योजना से दो मंजिला भव्य मंदिर बनाया गया है। मंदिर के साथ-साथ सामुदायिक भवन, आठ दुकानें एवं अन्य निर्माण कार्य किए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शनिवार को आयोजित भव्य समारोह में इस मंदिर का लोकार्पण करेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी उमेश तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि भैरवनाथ की विशाल प्रतिमा का निर्माण संभवतः 10वीं से 11वीं शताब्दी के मध्य कल्चुरि काल में कराया गया। शयन मुद्रा में यह प्रतिमा एक ही पत्थर को तराशकर बनाई गई है। काले रंग के बलुआ पत्थर से निर्मित यह मूर्ति अद्भुत है। भैरवनाथ के चेहरे पर रौद्र रूप होते हुए भी असीम शांति का भाव है। यह प्रतिमा चतुर्भुज रूप में अंकित है। प्रतिमा के दाहिने हाथ में सृष्टि के पालन और संहार का प्रतीक त्रिशूल है। प्रतिमा के निचले दाहिने हाथ में ध्यान और भक्ति का प्रतीक रूद्राक्ष माला है। प्रतिमा के ऊपरी बायें हाथ में तीन शीषों वाले सर्प लिपटे हुए है जो त्रिशक्ति का प्रतीक हैं। भैरव प्रतिमा के बायें हाथ में बीज और फल हैं। ये दोनों उर्वरता और सृजन शक्ति का प्रतीक हैं। इस आकर्षक और भव्य प्रतिमा के शीष पर भव्य मुकुट सुशोभित है। भैरवनाथ कुंडल, अनेक हार और यज्ञोपवीत से अलंकृत हैं। प्रतिमा को चार परिचारिकायें घेरे हुए हैं। इनमें से दो बैठी तथा दो खड़ी मुद्रा में हैं। यह प्रतिमा हजारों लोगों के आस्था का केन्द्र है। रोग निवारण, भय दूर करने और नकारात्मक शक्तियों से रक्षा करने के लिए यहाँ लोग पूजा करने आते हैं। मंदिर के चारों ओर पथरीला ढालू क्षेत्र है। इस मंदिर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

पेरंबलूर के पास कार की टक्कर से हादसा-पदयात्रा कर रहे चार श्रद्धालुओं की मौत

पेरंबलूर : त्रिची मार्ग से जा रही एक कार की टक्कर से यह दुर्घटना हुई। इस हादसे में कडलूर जिले के 3 लोगों और सलेम जिले के 1 व्यक्ति की मृत्यु हो गई। पेरंबलूर के पास समायपुरम मंदिर की पदयात्रा पर जा रहे 4 श्रद्धालुओं की इस दुर्घटना में मौत हो गई।

पेरंबलूर जिले के सिरुवाचूर के पास सड़क पर पैदल चल रहे समायपुरम मंदिर की पदयात्रा कर रहे श्रद्धालुओं को चेन्नई से त्रिची की ओर जा रही एक कार ने टक्कर मार दी। इस हादसे में 4 श्रद्धालुओं की जान चली गई। मृतकों में कडलूर जिले के 3 और सलेम जिले के 1 व्यक्ति शामिल हैं। दुर्घटना को अंजाम देने वाले चेन्नई के त्रिसूलम निवासी कार चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है।

मोरान में सड़क हादसा, खड़े ट्रक से टकराई बोलेरो पिकअप, दो की मौत

डिब्रूगढ़ (असम) : मोरान थाना क्षेत्र के सेपन चकलिया इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे खड़े एक ट्रक से बोलेरो पिकअप वाहन की जोरदार टक्कर हो गई। इस भीषण सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।पुलिस के अनुसार, शुक्रवार देर रात बोलेरो पिकअप तेज रफ्तार में थी और अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।दुर्घटना में पिकअप में सवार दोनों व्यक्तियों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

महिला की शिकायत ना सुनने के आरोप में थाना अध्यक्ष हुए निलंबित

सारण : जिले में पुलिस की कार्यशैली और अनुशासन को लेकर वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार ने एक बड़ा संदेश दिया है। कर्तव्य के प्रति लापरवाही और फरियादियों की शिकायतों की अनदेखी करने के आरोप में पानापुर थानाध्यक्ष को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई पुलिस विभाग में व्याप्त उदासीनता के खिलाफ एक बड़ी चेतावनी के रूप में देखी जा रही है। जानकारी के अनुसार एक महिला ने वरीय पुलिस अधीक्षक से सीधे संपर्क कर शिकायत की थी कि उसके साथ हुई एक घटना के संबंध में पानापुर थानाध्यक्ष द्वारा प्राथमिकी दर्ज नहीं की जा रही है। महिला का आरोप था कि वह न्याय के लिए थाने के चक्कर काट रही थी, लेकिन थानाध्यक्ष द्वारा मामले को टालमटोल किया जा रहा था। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी सारण ने मामले का तत्काल संज्ञान लिया। शुरूआती जांच में थानाध्यक्ष की उदासीनता और कर्तव्य के प्रति लापरवाही स्पष्ट रूप से पाई गई। एसएसपी ने कड़ा रुख अपनाते हुए थानाध्यक्ष को निलंबित कर दिया और उनके विरुद्ध विधिसम्मत विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस कार्रवाई के बाद एसएसपी ने जिले के सभी पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों के लिए कड़ा दिशा-निर्देश जारी किया है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि आम नागरिकों और विशेषकर पीड़ित महिलाओं की शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। प्राथमिकी दर्ज करने में किसी भी प्रकार की देरी या टालमटोल अक्षम्य होगी। कर्तव्य के निर्वहन में संवेदनहीनता या अनुशासनहीनता पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने साफ कर दिया है कि पुलिस का काम जनता की सेवा और सुरक्षा है, और इसमें किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

होटल पर खाना लेने गए तीन लोगों पर हमला, दो की मौत

गाजियाबाद : उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद जिले के खोड़ा थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात को आंबेडकर गेट के नजदीक स्थित वैष्णो ढाबे पर दो युवकों की हत्या कर दी गई। घटना में एक अन्य युवक घायल है। पुलिस ने उसे अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया। पुलिस घटना में शामिल आरोपितों की तलाश में छापेमारी कर रही है। कुछ लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। पुलिस उपायुक्त ट्रांसहिंडन निमिष पाटील ने शनिवार को बताया कि खोड़ा थाना क्षेत्र के आंबेडकर गेट के नजदीक कागज मार्केट की गली में वैष्णो ढाबा है। वहां पर शुक्रवार देर रात को दो पक्षों में कहा सुनी हो गई थी। इसी बीच दोनों पक्षों में विवाद इतना बढ़ा गया कि एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के युवकों पर हमला बोल दिया। इस घटना में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। वहां मौजूद लोगों ने बताया कि युवकों पर हमला चाकू और पत्थरों से किया गया था। इस हमले में सत्यम, श्रीपाल और अनुराग घायल हो गए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पैदल ही वहां से भाग निकले। घटना के बाद आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस घायलों को नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंची। अस्पताल में सत्यम और श्रीपाल की उपचार के दौरान मौत हो गई जबकि घायल अनुराग का इलाज चल रहा है। डीसीपी ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया हैं। घटना में मृत युवकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है। पुलिस हत्या के आरोपितों की धरपकड़ के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर घटना के बारे में पूछताछ कर रही है। इस घटना के बाद मौके पर भारी संख्या में लोग इकट्ठे हो गए। कुछ लोगों का कहना है कि यह घटना होटल के लोगों ने ही की हैं। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

लोहरदगा में सीओ पर जानलेवा हमला, बालू माफियाओं ने की मारपीट, गए थे अवैध परिवहन रोकने

संवाददाता

लोहरदगा: जिला के सेन्हा थाना क्षेत्र के मुरकी सेन्हा पथ पर नूरी सराय पुल के समीप सीओ पंकज कुमार भगत पर हमला हुआ है। सीओ ने थाना में आवेदन देकर कहा है कि गुप्त सूचना मिला कि गुरुवार को करीब 4: 45 बजे अवैध डंपिंग यार्ड से अवैध बालू का उठाव हो रहा है जिसपर सीओ पुलिस बल के साथ पहुंचा तो सीओ के साथ जैनुल अंसारी के पुत्र दानिश अंसारी पत्नी मुसरत जहां एव छोटा पुत्र राशिद अंसारी सेंन्हा नूरी सराय सहित 10अज्ञात महिला पुरुष ने हमला कर के पकड़े गए महेंद्र ट्रैक्टर को लेकर फरार हो गए। सीओ ने कहा है कि लाठी डटा बेलचा से मारपीट किया और वाहन के शीशा पर पत्थर से हमला किया। प्राथमिकी के अनुसार, सेन्हा थाना क्षेत्र के मुरकी-सेन्हा पथ पर नूरी सराय पुल के पास सीओ पंकज कुमार भगत पर हमला हुआ। सीओ ने थाना में आवेदन देकर कहा है कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि अवैध डंपिंग यार्ड से अवैध बालू का उठाव हो रहा है। जब वह वहां पहुंचे तो सेन्हा नूरी सराय निवासी जैनुल अंसारी के पुत्र दानिश अंसारी, उसकी पत्नी नुसरत जहां और छोटे पुत्र राशिद अंसारी सहित 10 अज्ञात महिला-पुरुष ने उनपर हमला कर दिया। साथ ही उनके द्वारा पकड़े गए ट्रैक्टर से बालू को अनलोड कर ट्रैक्टर लेकर फरार हो गए।

सीओ ने कहा है कि लाठी-डंडा, बेलचा से उनके साथ मारपीट भी की गई। उन लोगों ने ईंट से उनके वाहन के शीशे पर हमला किया। जिससे वाहन का शीशा टूट गया। इसके बाद भी उन लोगों ने उन्हें रोक कर उनके साथ मारपीट करने की कोशिश की। साथ ही झूठे केस में फंसाने की धमकी भी दी। जिसके बाद सूचना पर पुलिस की टीम पहुंची तो सभी भाग गए। सीओ पंकज कुमार भगत के आवेदन पर थाना प्रभारी नीरज झा ने कांड संख्या 26/26के तहत सरकारी कार्य में बाधा धमकी हमला के मामले में प्राथमिकी दर्ज किया है। थाना प्रभारी नीरज झा ने कहा कि देर शाम प्राथमिकी हुआ है शीघ्र ही आरोपी पुलिस के गिरफ्त में होंगे।

13 फरवरी से शुरू होगा झारखंड का प्रसिद्ध राजकीय जनजातीय हिजला मेला, तैयारियां शुरू

संवाददाता

दुमका: झारखंड की उपराजधानी दुमका में प्रसिद्ध राजकीय जनजातीय हिजला मेला 13 फरवरी से शुरू हो रहा है जो 20 फरवरी तक चलेगा। दुमका के उपायुक्त सह मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में मेला के आयोजन को लेकर आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया गया। हालांकि इससे पहले इस बार मेला 20 से 27 फरवरी तक आयोजित करने का निर्णय लिया गया था, लेकिन हाल में नगर परिषद चुनाव के मद्देनजर 23 फरवरी को मतदान की तिथि घोषित किये जाने की वजह से इस ऐतिहासिक मेला के आयोजन की तिथि में संशोधन करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में वर्ष 1890 से हिजला पहाड़ी की ढलान और मयूराक्षी नदी के सुरम्य तट पर लगने वाला जनजातीय हिजला मेला के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उपायुक्त ने संबंधित विभागों को संशोधित तिथि के अनुरूप सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही बैठक में विधि-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, स्वास्थ्य सुविधा, अग्निशमन व्यवस्था एवं यातायात प्रबंधन से जुड़े विषयों पर भी समीक्षा की गई। उपायुक्त सिन्हा ने सभी विभागों के संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा मेला को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने कहा कि मेला के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसमें क्षेत्र की पारंपरिक कला, संस्कृति एवं लोक परंपराओं का प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभागों को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के सुचारू आयोजन के लिये आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खैरवार, अनुमंडल पदाधिकारी सह मेला आयोजन समिति के सचिव कौशल कुमार के साथ जिले के विभिन्न विभागों के वरीय अधिकारी भी मौजूद थे।

मैट्रिक एवं इंटर परीक्षा 2026 की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन की समीक्षा बैठक

चतरा: जिले में आगामी वार्षिक माध्यमिक (मैट्रिक) एवं इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 के सुव्यवस्थित, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी कीर्तिश्री की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं परीक्षा केंद्राधीक्षकों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने कहा कि परीक्षाओं का सफल आयोजन प्रशासन, शिक्षा विभाग एवं केंद्राधीक्षकों के आपसी समन्वय से ही संभव है। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरी कर ली जाएं, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में मैट्रिक परीक्षा 2026 के लिए कुल 38 परीक्षा केंद्रों पर 17,613 छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल होंगे। वहीं इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए कुल 28 परीक्षा केंद्रों पर कला संकाय के 8,846, विज्ञान संकाय के 2,991 तथा वाणिज्य संकाय के 138, कुल 11,975 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे।उपायुक्त ने परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरा, पेयजल, बेंच-डेस्क, शौचालय एवं स्वच्छता की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही परीक्षा ड्यूटी में प्रतिनियुक्त सभी अधिकारी, दंडाधिकारी एवं कर्मियों को पहचान पत्र के साथ ड्यूटी पर उपस्थित रहने को कहा गया। उन्होंने कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी परीक्षार्थी का पारिवारिक सदस्य या निकट संबंधी परीक्षा ड्यूटी में तैनात न हो। साथ ही परीक्षा केंद्रों में मोबाइल फोन एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा।सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में बताया गया कि सभी परीक्षा केंद्रों के 500 गज की परिधि में धारा 144 लागू की गई है तथा प्रत्येक केंद्र पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रारंभ से समाप्ति तक केंद्र परिसर में सुव्यवस्थित ढंग से रखने के निर्देश दिए गए।उपायुक्त ने कहा कि सभी संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करें कि परीक्षाएं पारदर्शी, मर्यादित एवं नकल-मुक्त वातावरण में संपन्न हों। बताया गया कि जिले में वार्षिक माध्यमिक परीक्षा 2026 दिनांक 03 फरवरी से 17 फरवरी 2026 तक प्रथम पाली (पूर्वाह्न 09:45 बजे से अपराह्न 01:00 बजे तक) तथा इंटरमीडिएट परीक्षा (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य) दिनांक 03 फरवरी से 23 फरवरी 2026 तक द्वितीय पाली (अपराह्न 02:00 बजे से 05:15 बजे तक) आयोजित की जाएगी।बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया माहेश्वरी प्रसाद, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम, डीएसपी मुख्यालय अमिता लकड़ा, जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश कुमार मिश्रा,, सभी परीक्षा केंद्राधीक्षक एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

साहिबगंज के 10 गांव बनेंगे सोलर विलेज, पीएम सूर्य घर योजना से मिलेगी 24*7 मुफ्त और सस्ती बिजली

संवाददाता

साहिबगंज : जिले में केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घर- मुफ्त बिजली योजना के तहत 10 गांवों को सोलर विलेज के रूप में विकसित किया जाएगा। इस योजना का मकसद गांवों को सस्ती, स्वच्छ और आत्मनिर्भर ऊर्जा से जोड़ना है, ताकि ग्रामीणों को बिजली और सिंचाई दोनों में राहत मिल सके।

साहिबगंज के 10 गांव बनेंगे सोलर विलेजः दरअसल, साहिबगंज जिले में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना के तहत 10 गांवों का चयन किया गया है। इन गांवों को सोलर विलेज के रूप में विकसित किया जाएगा। चयनित गांवों में हाजीपुर, लखी साजनपुर, गंगा प्रसाद पूर्व, जोंका, सरफराजगंज, बेगमगंज, जामनगर, श्रीधर, मिजार्पुर और पलासबोना शामिल हैं। योजना के तहत इन गांवों के सभी स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, पंचायत भवन और अन्य सरकारी इमारतों में सौर ऊर्जा सिस्टम लगाए जाएंगे। साथ ही गांवों के बीच आपसी प्रतियोगिता भी कराई जाएगी। जो गांव सबसे बेहतर प्रदर्शन करेगा, उसे केंद्र सरकार की ओर से एक करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

पीएम कुसुम योजना के प्रति किसानों का रुझान लगातार बढ़ रहाः इस योजना की नोडल एजेंसी जरेडा को छह महीने के भीतर अधिक से अधिक लोगों को पीएम सूर्य घर योजना और पीएम कुसुम योजना से जोड़ने का लक्ष्य दिया गया है। जिन गांवों में सबसे अधिक सोलर क्षमता स्थापित होगी, उसे मॉडल सोलर विलेज घोषित किया जाएगा। योजना के तहत उन्हीं गांवों को चुना गया है, जिनकी आबादी 2011 की जनगणना के अनुसार 5 हजार से अधिक है। योजना का मुख्य उद्देश्य गांवों को विकेंद्रित नवीकरणीय ऊर्जा का उदाहरण बनाना है। इसके तहत रूफटॉप सोलर सिस्टम, सोलर पंप, सोलर स्ट्रीट लाइट और सामुदायिक सोलर पावर प्लांट लगाए जाएंगे, जिससे गांवों को 24 घंटे स्वच्छ और भरोसेमंद बिजली मिल सके। इससे ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। बिजली बिल कम होगा और सिंचाई के लिए डीजल या परंपरागत बिजली पर निर्भरता खत्म होगी।

किसान सोलर पंप के जरिए सिंचाई के साथ-साथ बिजली उत्पादन भी कर सकेंगे। पीएम कुसुम योजना के तहत जिला कृषि विभाग की आत्मा परियोजना के माध्यम से किसानों को 2, 3 और 5 एचपी के सोलर पंप सेट दिए जा रहे हैं। जिले में अब तक 160 किसानों ने ऑनलाइन आवेदन किया है, जिनमें से 119 किसान इच्छुक पाए गए हैं। वहीं 35 किसानों ने अपना अंशदान भी जमा कर दिया है। पीएम सूर्य घर योजना के तहत अब तक चार लाभुकों को जोड़ा गया है। जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का ने बताया कि पीएम कुसुम योजना के प्रति किसानों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। चयनित गांवों में अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ देने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे उन्हें सिंचाई और घरेलू बिजली दोनों में सुविधा।

धनबाद के सदर अस्पताल में डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मियों की हड़ताल

धनबाद: जिले के सदर अस्पताल परिसर स्थित पंचकर्म भवन के समीप दीवार खड़ी किए जाने का मामला शनिवार को अचानक गंभीर हो गया। इस मुद्दे के विरोध में सदर अस्पताल के सभी चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल कर्मी और अन्य कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए। हड़ताल का असर सुबह से ही अस्पताल परिसर में साफ दिखा, जहां ओपीडी से लेकर नियमित सेवाएं पूरी तरह ठप रहीं। इलाज के लिए पहुंचे मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा और कई मरीज बिना इलाज के ही लौटने को मजबूर हुए। ओपीडी से लेकर जांच तक सब बंद, मरीज परेशानः हड़ताल के कारण ओपीडी पूरी तरह बंद रही। न तो मरीजों का पंजीकरण हुआ और न ही डॉक्टरों से परामर्श मिल सका। जांच, पैथोलॉजी, एक्स-रे और दवाइयों के वितरण पर भी व्यापक असर पड़ा। अस्पताल परिसर में सुबह से अफरा-तफरी का माहौल रहा। दूर-दराज से आए मरीज और उनके परिजन यह समझ ही नहीं पा रहे थे कि सेवाएं कब तक बहाल होंगी। कई मरीजों ने मजबूरी में निजी अस्पतालों का रुख किया, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी पड़ा। पंचकर्म भवन के पास धरना, जिलेभर से पहुंचे स्वास्थ्यकर्मीः हड़ताल के दौरान चिकित्सकों और कर्मचारियों ने अपने-अपने विभागों में काम बंद कर दिया और पंचकर्म भवन के समीप धरना पर बैठ गए। धरना स्थल पर जिले के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों से आए स्वास्थ्यकर्मी भी शामिल हुए, जिससे आंदोलन को व्यापक समर्थन मिला। आंदोलनकारियों ने एकजुट होकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और दीवार निर्माण को तत्काल रोकने की मांग की। धरना स्थल पर दिनभर गहमागहमी बनी रही और अस्पताल की गतिविधियां पूरी तरह ठप नजर आईं। स्वास्थ्यकर्मियों की दलील, सुरक्षा और गरिमा से जुड़ा मामलाः आंदोलन कर रहे चिकित्सकों और कर्मचारियों का कहना है कि पंचकर्म भवन के पास दीवार निर्माण केवल एक सामान्य निर्माण कार्य नहीं है। यह अस्पताल की सुरक्षा, मरीजों की निजता और कार्यस्थल की गरिमा से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। उनका आरोप है कि बिना समुचित योजना और सहमति के दीवार खड़ी की जा रही है, जिससे अस्पताल की कार्यप्रणाली प्रभावित हो रही है। स्वास्थ्यकर्मियों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया जाएगा, हड़ताल जारी रहेगी। आपात सेवाओं पर असमंजस, परिजन चिंतितः हड़ताल के बीच आपातकालीन सेवाओं को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं रही। इससे मरीजों और उनके परिजनों में असमंजस की स्थिति बनी रही। गंभीर मरीजों को लेकर आए परिजन परेशान दिखे और कई लोग वैकल्पिक इलाज की तलाश में निजी अस्पतालों की ओर रवाना हो गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन को जल्द हस्तक्षेप कर समाधान निकालना चाहिए, ताकि मरीजों को राहत मिल सके और स्वास्थ्य सेवाएं फिर से सुचारु हो सकें।

राजमहल में आदिवासियों का महाकुंभ, गंगाघाट पर सजे धर्मगुरुओं के अखाड़े

राजमहल: राजकीय माघी पूर्णिमा मेला के अवसर पर राजमहल का गंगाघाट आदिवासी आस्था और परंपरा का बड़ा केंद्र बन गया है। पूर्णिमा से पहले ही आदिवासी श्रद्धालु अपने-अपने धर्मगुरुओं के साथ गंगा तट पर पहुंचने लगे हैं और स्नान, पूजा व अखाड़ा स्थापना की प्रक्रिया शुरू कर दी है। गंगा स्नान के साथ शुरू हुई पूजा-अर्चनाः पूर्णिमा मुहूर्त से पूर्व आदिवासी धर्मगुरु और श्रद्धालु गंगा स्नान करते हैं। स्नान के बाद गंगा पूजन कर एक लोटा जल लेकर अखाड़े में पहुंचते हैं। यहां मरांग बुरू रूपी भगवान शिव की आराधना की जाती है। पूरे विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना और परंपरागत अनुष्ठान संपन्न किए जाते हैं, जिससे गंगाघाट का माहौल पूरी तरह आध्यात्मिक हो गया है। 200 से अधिक अखाड़े, हजारों श्रद्धालुः मेला क्षेत्र में अनुमानित छोटे-बड़े करीब 200 अखाड़े लगाए जाते हैं। शुक्रवार को ही हजारों की संख्या में श्रद्धालु राजमहल पहुंचे। अखाड़ों में दिन-रात पूजा, भजन और पारंपरिक अनुष्ठान जारी हैं। यह आयोजन आदिवासी समाज की आस्था, एकता और सांस्कृतिक पहचान को मजबूती देता है। कई राज्यों और नेपाल से पहुंचते हैं अनुयायीः राजमहल के इस महाकुंभ में झारखंड के विभिन्न जिलों के अलावा बिहार, पश्चिम बंगाल, ओड़िशा और नेपाल से भी आदिवासी धर्मगुरु और उनके अनुयायी शामिल होते हैं। दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालु इस आयोजन को अपने समाज का महाकुंभ मानते हैं और हर वर्ष इसमें शामिल होना सौभाग्य समझते हैं। आस्था और परंपरा का अनोखा संगमः आदिवासियों का यह महाकुंभ केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक समरसता का भी प्रतीक है। गंगाघाट पर सजे अखाड़े, पूजा-अर्चना और श्रद्धालुओं की भीड़ राजमहल को कुछ दिनों के लिए आदिवासी आस्था का सबसे बड़ा केंद्र बना देती है।

राधा स्वामी संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दीपक कुमार शर्मा का भव्य स्वागत

संवाददाता

कोडरमा: दूधीमाटी स्थित सावित्री सुंदर ट्रस्ट कार्यालय में राधा स्वामी संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दीपक कुमार शर्मा का शुक्रवार को शुभ आगमन हुआ। इस अवसर पर ट्रस्ट पदाधिकारियों द्वारा उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। बैठक के दौरान सामाजिक उत्थान, जनकल्याण तथा आने वाली भविष्य की योजनाओं को लेकर विस्तृत एवं सकारात्मक चर्चा हुई। कार्यक्रम में सावित्री सुंदर ट्रस्ट के अध्यक्ष उमाशंकर सिंह, सचिव संदीप कुमार, कोषाध्यक्ष रजनीकांत पाण्डेय, झारखंड राज्य समन्वयक नोखलाल दास, मीडिया प्रभारी किशोर राणा, बीरेंद्र चौधरी, सोनी कुमारी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने समाजहित में मिलकर कार्य करने का संकल्प दोहराया और संगठनात्मक मजबूती पर बल दिया।

शहीद दिवस पर महात्मा गांधी को किया गया नमन

संवाददाता

दुमका: संताल परगना महाविद्यालय में शुक्रवार को शहीद दिवस के अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह कार्यक्रम महाविद्यालय परिसर में अत्यंत गरिमामय वातावरण में आयोजित हुआ, जिसमें प्राचार्य, शिक्षकगण, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य महात्मा गांधी के बलिदान, उनके विचारों तथा उनके द्वारा दिखाए गए सत्य और अहिंसा के मार्ग को स्मरण करना था। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः गांधी जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दो मिनट के मौन से की गई। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्रपिता के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। प्राचार्य डॉ। के। पी।यादव ने अपने संबोधन में कहा कि महात्मा गांधी केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने सत्य, अहिंसा, सहिष्णुता और मानवता के मूल्यों को अपने जीवन में अपनाकर स्वतंत्रता संग्राम को एक नई दिशा दी। महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक डॉ। उपेंद्र कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि गांधी जी का जीवन आज के युवाओं के लिए मार्गदर्शक है। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे केवल पुस्तकों तक सीमित न रहें, बल्कि गांधी जी के विचारों को अपने व्यवहार और जीवन शैली में उतारें। भौतिक विज्ञान विभाग के डॉ। इंद्रजीत कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ती हिंसा, असहिष्णुता और स्वार्थ की प्रवृत्तियों के बीच गांधीवादी विचारधारा की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। अंग्रेजी विभाग के डॉ। सनोज स्टीफेन हेम्ब्रम ने गांधी जी के बलिदान को याद करते हुए कहा कि शहीद दिवस हमें यह सिखाता है कि देश की स्वतंत्रता और एकता को बनाए रखने के लिए हमें निरंतर सजग रहना चाहिए। इतिहास विभाग के डॉ कमल शिवकांत हरि ने गांधी जी के प्रसिद्ध कथनों का उल्लेख करते हुए उनके संदेशों को साझा किया, जिससे कार्यक्रम और भी भावपूर्ण बन गया। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय एकता और सद्भाव बनाए रखने की शपथ समाजशास्त्र विभाग की डॉ विनीता रानी टोप्पो द्वारा दिलाई गई। महाविद्यालय प्रशासन ने यह संदेश दिया कि शहीद दिवस केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि आत्ममंथन का दिन है, जब हमें यह सोचना चाहिए कि हम देश और समाज के लिए क्या योगदान दे सकते हैं। पूरे कार्यक्रम का वातावरण अनुशासन, शांति और देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत रहा। संताल परगना महाविद्यालय द्वारा आयोजित यह शहीद दिवस कार्यक्रम महात्मा गांधी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि साबित हुआ, जिसमें उनके आदर्शों को याद कर उन्हें आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ। त्रिजा जेनिफर टोप्पो, प्रो एलिजाबेथ, डॉ। मनीष कुमार, डॉ कुमार सौरभ, गोपाल झा,एवं प्रेम किस्कू की उपस्थिति रही।

पुण्यतिथि पर याद किए गए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी

दुमका: राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर समाजसेवी संदीप कुमार जय बमबम के नेतृत्व में गांधी मैदान में स्थापित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण व श्रद्धासुमन अर्पण किया और गांधी जी के जीवन वृत्त पर अपने अपने विचार व्यक्त किये। श्रद्धासुमन अर्पण करने वालों में समाजसेवी क्रमशः प्रेम केशरी,अशोक कुमार राउत,लक्ष्मीनारायण साह,शंकर यादव व अन्य मौजूद थे।